RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू

स्मार्ट हलचल

वें गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं

वर्ष-10 | अंक-207 | जयपुर, सोमवार, 26 जनवरी 2026 | मूल्य-4 रूपये

मन की बात- पीएम ने मतदाता दिवस की शुभकामनाएं दीं, कहा- नए वोटर्स के लिए मिठाई बांटें

भारत दुनिया का तीसरा बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम-मोदी

मतदाता बनना जीवन का अहम पड़ाव, इसका जश्न मनाएं

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साल 2026 के पहले मन की बात कार्यक्रम को संबोधित किया। आज मन की बात कार्यक्रम का यह 130वां एपिसोड रहा। इस कार्यक्रम में पीएम मोदी ने गणतंत्र दिवस, मतदाता दिवस, स्टार्टअप इंडिया, पर्यावरण और श्रीअन्न समेत विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार रखे।

उन्होंने कहा कि मतदाता ही लोकतंत्र की आत्मा होता है। लोगों से नए वोटर्स के लिए मिठाई बांटने की अपील की। पीएम ने सोशल मीडिया पर चल रहे 2016 की तस्वीरें शेयर करने के ट्रेंड पर बात की। उन्होंने अपनी सरकार के काम पर बात करते हुए कहा कि भारत में आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इको सिस्टम बन चुका है। ये स्टार्टअप लीक से हटके हैं, जिनके

बारे में 10 साल पहले कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। उन्होंने कहा कि मैं अपने उन सभी युवा साथियों को सैल्यूट करता हूं, जो किसी न किसी स्टार्टअप से जुड़े हैं या नया स्टार्टअप शुरू करना चाहते हैं।

पीएम ने भारतीय प्रडोक्ट्स को लेकर कहा कि हम सभी का एक ही मंत्र हो क्वालिटी क्वालिटी और क्वालिटी। इंडियन प्रोडक्ट का मतलब बन जाए क्वालिटी। हम संकल्प लें कि क्वालिटी से कोई समझौता नहीं होगा।

पीएम ने कहा- जैसे हम जन्मदिन मनाते हैं उसी तरह, जब भी कोई युवा पहली बार वोटर बनता है, तो पूरे मोहल्ले, गांव या शहर को एक साथ आकर उसे बधाई देनी चाहिए और मिठाई बांटनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे वोटिंग के बारे में जागरूकता बढ़ेगी और यह भावना मजबूत होगी कि वोटर होना कितना जरूरी है। इससे पहले पीएम ने एक्स पर वोटर्स डे से जुड़ा एक लेटर भी शेयर किया।

मिलेट्स को लेकर दुनिया में बढ़ा जुनून

मेरे प्यारे देशवासियो, मैं आप सभी की एक और बात के लिए बहुत सराहना करना चाहता हूँ -वजह है मिलेट्स यानि श्रीअन्न । मुझे ये देखकर खुशी है कि श्रीअन्न के प्रति देश के लोगों का लगाव निरंतर बढ़ रहा है। वैसे तो हमने 2023 को मिलेट ईयर घोषित किया था। लेकिन आज तीन साल बाद भी इसको लेकर देश और दुनिया में जो जुनून और समर्पण है, वो बहुत उत्साहित करने वाला है।

परिवार से मिलती है चुनौतियों से निपटने की ताकत

परिवार व्यवस्था हमारी परंपरा का अभिन्न अंग और कई देशों में भी इसे कौतूहल के साथ देखा जाता है। कई देशों में इसके प्रति बेहद सम्मान का भाव है। कुछ दिन पहले संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद भारत आए थे, तब उन्होंने बताया कि यूएई में 2026 को ईयर ऑफ फैमिली के तौर पर मनाया जा रहा है। परिवार से मिली ताकत से हम बड़ी से बड़ी चुनौतियों को भी परास्त कर सकते हैं। अनंतनाग के शेखगुंड गांव में रहने वाले मीर जाफर ने गांव के युवाओं और बुजुर्गों को एकजुट किया और गांव से ड्रग्स, तंबाकू की समस्या को खत्म कर दिया और लोगों को इनके खतरों के प्रति जागरूक किया।

स्टार्टप इंडिया पर कहा- हर सेक्टर में काम हो रहा

पीएम ने स्टार्टप इंडिया पर कहा कि एआई, स्पेस, न्यूक्लियर एनर्जी, सेमीकंडक्टर, मोबिलिटी, ग्रीन हाइड्रोजन, बायोटेक्नोलॉजी... आप नाम लीजिए और आपको कोई न कोई भारतीय स्टार्टअप उस सेक्टर में काम करता हुआ मिल जाएगा। उन्होंने कहा कि मैं अपने उन सभी युवा दोस्तों को सलाम करता हूं जो किसी न किसी स्टार्टअप से जुड़े हैं या अपना खुद का स्टार्टअप शुरू करना चाहते हैं।

बांग्लादेश में एक और हिंदू को जिंदा जलाया

गैराज में सो रहा था, बाहर से आग लगा दी, पिछले 40 दिनों में 10 हिंदुओं की हत्या

ढाका

बांग्लादेश के नरसिंदी जिले में एक और हिंदू युवक की जिंदा जलाकर हत्या का मामला सामने आया है। 23 साल के चंचल चंद्र भौमिक का जला हुआ शव शुक्रवार रात एक गैराज के अंदर मिला। परिवार ने इसे सोची-समझी हत्या बताया है। घटना नरसिंदी शहर के पुलिस लाइंस से सटे मस्जिद मार्केट इलाके में हुई। चंचल जिस गैराज में काम करता था, उसी के अंदर उसका शव मिला। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, घटना के वक्त चंचल गैराज के अंदर सो रहा था। रात के समय किसी ने बाहर से शटर पर पेट्रोल डाला और आग लगा दी। आग तेजी से अंदर फैल गई।

इससे पहले 18 दिसंबर 2025 को मैमनसिंह जिले में हिंदू युवक दीपू चंद्र दास को भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला था। उनके शव को पेड़ पर लटकाकर आग लगा दी गई थी। पिछले 40 दिनों 10 हिंदुओं की हत्या हो चुकी है।

प्रत्यक्षदर्शी बोले- काफी देर तक तड़पता रहा चंचल

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि चंचल आग में फंसा रहा और काफी देर तक तड़पता रहा। वह मदद के लिए चीख रहा था, लेकिन बाहर से शटर लॉक था। उसे निकलने का रास्ता नहीं मिला। लोकल लोगों की सूचना पर फायर सर्विस पहुंची और आग बुझाने में करीब एक घंटे लगे। लेकिन चंचल पूरी तरह जल चुका था, मौके पर ही उसकी मौत हो गई। लोगों ने घटना को दिल दहला देने वाला बताया। स्थानीय दुकानदार राजीब सरकार ने सीसीटीवी का हवाला देकर कहा कि 'यह हादसा नहीं था। कैमरे में दिखा कि कई लोग जानबूझकर शटर को आग लगाते हैं। '

स्थानीय हिंदू समुदाय के नेताओं ने हत्या की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इसे बर्बर और अमानवीय बताया। उन्होंने अधिकारियों से अपराधियों को जल्द गिरफ्तारी कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। हिंदू नेताओं ने हिंदू के खिलाफ अपराध पर चिंता जताते हुए कहा कि इलाके में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यकों और कमजोर मजदूरों की सुरक्षा मजबूत करें। वहीं मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने कहा कि निष्पक्ष जांच हो और न्याय मिले।

तेजस्वी यादव आरजेडी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बने

रोहिणी बोलीं- जिम्मेदारी संभालने वाले अपने गिरेबान में झांकें, मुंह छिपाने की बजाय जवाब दें

पटना

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को आरजेडी का राष्ट्रीय कार्यकारी (कार्यवाहक) अध्यक्ष बनाया गया है। पटना के होटल मौर्य में आरजेडी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में भोला यादव ने प्रस्ताव रखा, जिस पर सभी नेताओं ने सहमति जताई।

बैठक में लालू प्रसाद, राबड़ी देवी, मीसा भारती, संजय यादव समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। इस बैठक में बिहार चुनाव में मिली हार पर भी चर्चा हुई, जिस पर तेजस्वी ने कहा कि हमें सबकुछ भूलकर आगे बढ़ना है।

उन्होंने अपने भाषण के दौरान कहा कि या तो नरेंद्र मोदी के चरण में रहिए या फिर उनसे लड़िए। चाचा जी तो चरण में चले गए हैं, वीडियो सबने देखा होगा, लेकिन हम नहीं झुकेंगे। राजद सुप्रीमो लालू यादव ने कहा, 'तेजस्वी यादव जब पद पर नहीं थे, तब भी काफी अच्छा काम कर रहे थे। अब और ज्यादा बढ़िया से कम करेंगे। सबको मिलकर संगठन को मजबूत करना है। आगे सबको लड़ना है और जीतना है।

इधर, तेजस्वी के कार्यकारी अध्यक्ष बनने पर रोहिणी ने तंज भरे लहजे में शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'गिरोह-ए-घुसपैठ की कठपुतली बने शहजादे को ताजपोशी मुबारक...।'

पहले से अहम फैसले ले रहे हैं तेजस्वी

तेजस्वी यादव पहले से ही पार्टी के अधिकतर महत्वपूर्ण निर्णय ले रहे हैं। संगठनात्मक मामलों से लेकर राजनीतिक रणनीति तक उनकी भूमिका लगातार मजबूत होती जा रही है। पार्टी के भीतर भी उन्हें भविष्य के नेता के तौर पर देखा जा रहा है।

सूत्रों का कहना है कि विधानसभा चुनाव में पार्टी के खिलाफ काम करने वाले नेताओं पर कार्रवाई को लेकर भी बैठक में गंभीर चर्चा हो सकती है। कार्यकारिणी की बैठक में इस मुद्दे पर ठोस और सख्त निर्णय लिए जाने की संभावना जताई जा रही है।

राजस्थान पुलिस के 17 अधिकारी-कर्मचारी होंगे सम्मानित

गणतंत्र दिवस पर मिलेगा पदक, राष्ट्रपति मेडल के साथ मिलेगा विशेष पदक

जयपुर

गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी को राजस्थान पुलिस के जवानों को सम्मानित किया जाएगा। राष्ट्रपति मेडल सहित विशेष पदक से कुल 17 पुलिस अधिकारी-कर्मचारी को सम्मानित किया जाएगा। गृह मंत्रालय की ओर से जारी लिस्ट के अनुसार राजस्थान पुलिस में एसपी शांतनु कुमार सिंह को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया जाएगा। इनके साथ ही सराहनीय सेवा के लिए उत्कर्ष मेडल (स्वरू) से राजस्थान पुलिस में आईजी दीपक कुमार, परम ज्योति, एडि.एसपी रेवंत दान, धनपत राज, महावीर सिंह शेखावत व नील कमल का सम्मान किया जाएगा।

इसी तरह, पुलिस निरीक्षक सुरेन्द्र यादव व स्नेहलता जाट, एसआई हरि शंकर, एएसआई उमेश पारीक, लक्ष्मी नारायण, महेन्द्र सिंह, कृष्णवीर सिंह व बाबू लाल, हेड कॉन्स्टेबल राजेन्द्र सिंह व सत्यवीर को सम्मानित किया जाएगा।

गणतंत्र दिवस पर 982 पुलिस कर्मियों को सेवा मेडल

गणतंत्र दिवस 2026 पर केंद्र सरकार ने गैलेंट्री अवॉर्ड्स और सेवा मेडल की घोषणा की है। इस बार 982 पुलिस, फायर ब्रिगेड, होम गार्ड, सिविल डिफेंस और करेक्शनल सर्विस से जुड़ें कर्मियों को उत्कृष्ट सेवा के लिए सम्मानित किया जाएगा। इन पुरस्कारों में 125 वीरता पदक (गैलेंट्री मेडल्स) भी शामिल हैं।

सबसे ज्यादा 45 वीरता पदक जम्मू और कश्मीर ऑपरेशन थिएटर में तैनात कर्मियों को दिए गए हैं। इसके बाद नक्सल हिंसा प्रभावित क्षेत्रों के 35 और पूर्वोत्तर क्षेत्र में तैनात 5 कर्मियों को दिए गए हैं। फायर ब्रिगेड सर्विस के 4 बचावकर्मी भी वीरता पदक विजेताओं में चुने गए हैं।

982 वीरता और सेवा मेडल में से 125 गैलेंट्री मेडल हैं। 101 प्रेसिडेंट मेडल और 756 मेरिटोरियस सर्विस मेडल हैं। जम्मू और कश्मीर पुलिस को सबसे ज्यादा 33 वीरता पदक दिए गए हैं। इसके बाद महाराष्ट्र पुलिस को 31 मेडल, उत्तर प्रदेश पुलिस को 18 मेडल और दिल्ली पुलिस को 14 मेडल दिए गए हैं।

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में सीआरपीएफ एकमात्र फोर्स है जिसे 12 पदकों के साथ वीरता पुरस्कार मिले हैं।) के 31 अधिकारियों को प्रेसिडेंट मेडल और मेरिटोरियस मेडल से मिले हैं।

इनमें आरजी कर रेप-मर्डर केस की जांच करने वाले सीबीआई के जॉइंट डायरेक्टर वी चंद्रशेखर भी शामिल हैं। चंद्रशेखर ने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर के रेप-मर्डर केस की जांच की थी। 125 गैलेंट्री मेडलः 121 पुलिस कर्मियों और 4 फायर ब्रिगेड को वीरता पदक से सम्मानित किया गया है।

101 प्रेसिडेंट मेडलः 89 पुलिस कर्मी, 5 फायर ब्रिगेड कर्मी, 3 सिविल डिफेंस-होम गार्ड सेवा को और 4 मेडल करेक्शनल सर्विस के लिए दिए गए हैं।

756 मेरिटोरियस सर्विस मेडलः 664 पुलिस सेवा को, 34 फायर ब्रिगेड कर्मी, 33 सिविल डिफेंस-होमगार्ड को और 25 करेक्शन सर्विस के लिए दिए गए हैं।

धर्मेन्द्र को पद्म विभूषण, रोहित शर्मा को पद्मश्री सम्मान

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर रविवार को 2026 के लिए 131 पद्म पुरस्कारों का ऐलान किया। दिवंगत एक्टर धर्मेंद्र समेत 5 हस्तियों को पद्म विभूषण सम्मान दिया गया है।

झारखंड के पूर्व सीएम दिवंगत नेता शिबु सोरेन और गायिका अलका याज्ञनिक समेत 13 हस्तियों को पद्म भूषण के लिए चुना गया है।

वहीं, क्रिकेटर रोहित शर्मा, पैरा एथलीट प्रवीण कुमार, महिला क्रिकेटर हरमनप्रीत कौर, हॉकी प्लेयर सविता पूनिया समेत 113 हस्तियों को पद्मश्री के लिए चुना गया है।

अंके गौड़ा कर्नाटक के मैसूर के पास हरालाहल्ली गांव के रहने वाले हैं। 20 साल की उम्र में बस कंडक्टर की नौकरी करते हुए उन्होंने किताबें जुटानी शुरू कीं। अपनी कमाई का

बड़ा हिस्सा उन्होंने किताबों पर खर्च किया, यहां तक कि घर भी बेच दिया। आज उनकी 'पुस्तक माने' लाइब्रेरी में 20 लाख से ज्यादा दुर्लभ किताबें हैं। गौड़ा को साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में पद्म श्री 2026 से सम्मानित किया जाएगा। देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल पद्म पुरस्कार तीन श्रेणियों- पद्म श्री, पद्म भूषण और पद्म विभूषण में प्रदान किए जाते हैं। ये पुरस्कार कला, समाज सेवा, साइंस, इंजीनियरिंग, बिजनेस, इंडस्ट्री, चिकित्सा, साहित्य, शिक्षा, खेल और सिविल सेवा जैसे विविध क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिए दिए जाते हैं।

राजस्थान में -2 डिग्री तापमान, बारिश-ओले गिरने की चेतावनी

जयपुर

राजस्थान में दो दिन पहले हुई बारिश और ओले गिरने के कारण जमा देने वाली ठंड पड़ रही है। बर्फीली हवा के कारण कई इलाकों में न्यूनतम तापमान माइनस में बना हुआ है। शनिवार रात को सीकर में तापमान -2.4 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। वहीं, शेखावाटी के जिलों में फसलों को भी बर्फ जमने के कारण नुकसान हो रहा है। मौसम विशेषज्ञों ने रविवार को 7 जिलों में शीतलहर की चेतावनी जारी की गई है। जबकि 26 जनवरी को प्रदेश में मौसम साफ रहेगा और कोल्ड-वेव से थोड़ी राहत रहेगी।

27 जनवरी को उत्तर-पूर्वी जिलों में बादल छाने, तेज हवाएं चलने, बारिश होने और कहीं-कहीं ओले गिरने की चेतावनी जारी की गई है।

शेखावाटी एरिया के सीकर सहित कई जिले में रविवार सुबह खुले इलाकों में बर्फ जमी नजर आई। सबसे ज्यादा फसलों पर असर हो रहा है। वहीं, सीकर के फतेहपुर में तापमान भी माइनस में रिकॉर्ड हुआ। शनिवार को भी जिले के तापमान में करीब 10 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई थी। सीकर के साथ जयपुर, अलवर, भरतपुर, दौसा, चूरू, नागौर सहित कई जिलों में आज भी शीतलहर का असर है। मौसम साफ होने के साथ ही तापमान में तेज गिरावट हुई है।

vedanta transforming for good | HINDUSTAN ZINC Zinc & Silver of India

ज़िंक बनाये आपका आज सुरक्षित
और मजबूत रखे देश का कल।

विश्व का सबसे बड़ा एकीकृत
ज़िंक और शीर्ष पाँच चांदी
उत्पादकों में से एक, हिन्दुस्तान
ज़िंक इस गणतंत्र दिवस पर
शक्तिशाली और आत्मनिर्भर
भारत पर गर्व करता है।

HAPPY Republic DAY

मालासेरी डूंगरी पर भगवान देवनारायण का 1114वां जन्मोत्सव मनाया

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मालासेरी डूंगरी के दर्शन कर धर्म सभा को सम्बोधित किया

स्मार्ट हलचल

मोड़ का निंबाहेड़ा। भगवान श्री देवनारायण की जन्मस्थली एवं माता साडु की अखंड तपोभूमि मालासेरी डूंगरी पर भगवान श्री देवनारायण का 1114 वा जन्मोत्सव बड़े हर्ष उल्लास और धूमधाम से मनाया । सुबह 4:00 बजे 1114 दीप प्रज्वलित कर एवं कमल पुष्प से आकर्षक श्रृंगार करते हुए भगवान देवनारायण जी की बाल स्वरूप प्रतिमा को झूला झूलते हुए जन्मोत्सव मनाया ।

इस दौरान भव्य आतिशबाजी की गई पूरा मालासेरी डूंगरी परिक्रमा क्षेत्र भगवान श्री देवनारायण जी के जयकारों से गूंज उठा ।

मालासेरी डूंगरी देवनारायण मंदिर के पुजारी हेमराज पोसवाल ने बताया कि आज रविवार दोपहर को भगवान देवनारायण के ननिहाल देवास मध्य प्रदेश से श्रद्धालु 1114 मीटर लंबी चुनरी लेकर आए और डूंगरी को चुनरी ओढ़ाई, ढोल नगाड़ों के साथ पहुंचे मध्य प्रदेश के जत्थे का मंदिर समिति की ओर से स्वागत किया गया ।

वही मंदिर परिसर में विशाल रक्तदान शिविर आयोजित किया पूर्व कैबिनेट मंत्री जोगिंदर सिंह अवाना में रक्तदान कर रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया , दोपहर को 2:00 बजे केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत पहुंचे यहां पर बुलडोजर से पुष्प वर्षा कर गजेंद्र सिंह शेखावत का स्वागत किया गया । मंदिर के पुजारी हेमराज पोसवाल ने केंद्रीय मंत्री को कमल का पुष्प देकर एवं भगवान देवनारायण जी का दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत किया , शेखावत ने मालासेरी डूंगरी पर चल रहे कॉरिडोर के विकास कार्य का अवलोकन किया और कॉरिडोर के निर्माण कार्य को तेज गति से सम्पन्न करने के निर्देश दिए ।

शेखावत ने भगवान देवनारायण जी के दर्शन करने के बाद हवन कुंड में आहुतियां दी, धर्म सभा को संबोधित किया।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान श्री देवनारायण जी के चरित्र और योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत की संस्कृति, ज्ञान-विज्ञान और धर्म की रक्षा के लिए भगवान देवनारायण जी ने महत्वपूर्ण कार्य किए। उन्होंने कहा कि आज भारत पुनर्जागरण कालखंड में प्रवेश कर चुका है और संस्कृति वह ज्ञान विज्ञान की धर्मध्वजा को पूरे देश में फहराया जा रहा है।

शेखावत ने कहा कि भगवान देवनारायण का जीवन हमें सत्य और न्याय के लिए खड़े होना सिखाता है। उनका चरित्र कर्तव्यनिष्ठा, सामाजिक समरसता और आयुर्वेदिक परंपराओं को आगे बढ़ाने की प्रेरणा देता है।

भगवान देवनारायण जी के 1111 वे अवतरण दिवस के मौके पर जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आए तो उन्होंने मालासेरी डूंगरी पर जो विकास का संकल्प लिया था आज वह विकास का सपना साकार हो रहा है, उन्होंने आगे कहा कि जो समाज अपनी संस्कृति और सभ्यता को आगे बढ़ाता है, वही समाज वास्तविक रूप से प्रगति करता है। संस्कृति ही किसी राष्ट्र की आत्मा होती है और उसे सशक्त बनाए बिना विकास संभव नहीं है।

केंद्रीय मंत्री ने युवाओं से आह्वान किया कि वे भगवान देवनारायण जी के आदर्शों को अपनाकर राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं और भारत की गौरवशाली परंपराओं को आगे बढ़ाएं।

इस मौके पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत, भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल, विधायक उदयलाल भड़ाना,विधायक जबर सिंह सांखला, जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा,पूर्व मंत्री जोगिंदर सिंह अवाना, पूर्व मंत्री कालू लाल गुर्जर, पूर्व विधायक रामलाल गुर्जर, जोधपुर बार एसोसिएशन अध्यक्ष रणजीत जोशी, मनसुख सिंह गुर्जर, मंदिर समिति अध्यक्ष जयदेव चाड़, देव भक्त लाखनसिंह लोहागढ़ लक्ष्मण नेखाड़ी सहित कई लोग मौजूद रहे।

आस्था रेजिडेंसी के बाहर सड़कों पर अंधेरा बना कॉलोनीवासियों के लिए खतरा, 300 परिवार दहशत में

स्मार्ट हलचल | पुनित चपलोत

भीलवाड़ा। प्रताप नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत 200 फीट रोड स्थित आस्था रेजिडेंसी कॉलोनी के बाहर रोड लाइटें नहीं होने से क्षेत्र में अंधेरा छाया हुआ है। जिससे कॉलोनीवासियों में भय का माहौल बना हुआ है। कॉलोनी में करीब 300 परिवार निवास करते हैं, जिन्हें रात के समय घर से बाहर निकलने में भी डर लगता है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि अंधेरा होने के कारण कॉलोनी के बाहर सड़क पर असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है, जिससे किसी भी समय अप्रिय घटना की आशंका बनी रहती है। कॉलोनीवासियों द्वारा कई बार संबंधित विभागों एवं प्रशासन को शिकायतें दी गईं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

कॉलोनी के अध्यक्ष हितेश सुवालका ने बताया कि हम सभी 200 फिट रोड आस्था रेजिडेंसी में रहते है और यहां करीब 300 परिवार निवास करते है । कॉलोनी के बाहर सड़कों पर रोड लाइट नहीं होने के कारण कॉलोनी वासियों का रात के समय में कॉलोनी से बाहर निकलना भी दुश्वार हो रहा है । अंधेरा होने की वजह से सड़क पर सामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है। इससे पहले भी इसी क्षेत्र में लूट, जानलेवा हमले जैसी गंभीर घटनाएं हो चुकी हैं, बावजूद इसके सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लापरवाही बरती जा रही है। उन्होंने जल्द से जल्द रोड लाइटें लगाने और नियमित पुलिस गश्त की मांग की है। कॉलोनीवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वे सामूहिक रूप से आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

बजरी माफिया के हौसले बुलंद: पत्रकार के घर में घुसकर जान से मारने की धमकी

स्मार्ट हलचल | गंगापुर/भीलवाड़ा

अवैध बजरी ट्रैक्टरों के वीडियो न्यूज़ बनाने पर बजरी माफिया ने पत्रकार प्रकाश चंद्र खारोल के घर में घुसकर जान से मारने की धमकी दी। यह घटना रविवार सुबह 7:00 बजे की है, जब पत्रकार ने चीड़ खेड़ा के अंदर अवैध बजरी के ट्रैक्टरों का वीडियो बनाया था।

बजरी माफिया सांवरमल जाट बागोर ने अपनी बोलरो लेकर पत्रकार के घर पहुंचा और उन्हें धमकी दी कि अगर आगे से कोई वीडियो अपलोड हुई तो जान से मार देंगे। पत्रकार के हाथ से फोन छीन लिया गया और जाति वाद गाली गलौज कर धक्का मुखी की गई।

सांवरमल जाट बागोर ने कहा कि वह जाट है और उनके जाटों के किसी भी ट्रैक्टरों के पत्रकार वीडियो बनाकर न्यूज़ नहीं बना सकता है। उन्होंने कहा कि वह दिन दहाड़े बजरी खनन करते हैं और करेंगे। पत्रकार प्रकाश चंद्र खारोल ने पुलिस थाना गंगापुर में मुकदमा दर्ज करवाया है और पुलिस से कार्रवाई की मांग की है।

भीलवाड़ा में मानवता शर्मसार

झाड़ियों में फेंका गया नवजात, जानवरों ने नोच डाला

स्मार्ट हलचल | मांडल

भीलवाड़ा जिले के बनेड़ा थाना क्षेत्र के नानोदिया ग्राम में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक निर्दयी मां द्वारा नवजात शिशु को सड़क किनारे झाड़ियों में छोड़ दिया गया, जहां जानवरों ने उसे नोच डाला। घटना की सूचना मिलते ही मांडल से 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। एंबुलेंस पायलट प्रभु प्रजापत और मेल नर्स गिरिराज पायक ने नवजात को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनेड़ा पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर बनेड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की । पुलिस आसपास के क्षेत्र में पूछताछ कर रही है तथा यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि नवजात को किसने और किन परिस्थितियों में वहां छोड़ा। इस हृदयविदारक घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई और लोग दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

नाकाबंदी के दौरान भीलवाड़ा पुलिस और बदमाशों में हुई मुठभेड़

जयपुर के हिस्ट्रीशीटर के पैर में लगी गोली, जयपुर फायरिंग के प्रकरण में वांछित था आरोपी, एक साथी डिटेन, कार और पिस्टल, जब्त

स्मार्ट हलचल | पुनित चपलोत

भीलवाड़ा। शहर के पुर थाना क्षेत्र में रविवार शाम उस समय हड़कंप मच गया, जब हाथी भाटा आश्रम के पास पुर पुलिस, एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स और हथियारबंद बदमाशों के बीच जोरदार मुठभेड़ हो गई। इस सनसनीखेज मुठभेड़ में जयपुर फायरिंग कांड का वांछित अपराधी जितेंद्र सिंह (30) पुलिस की जवाबी फायरिंग में घायल हो गया, जबकि एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स के इंचार्ज हेड कांस्टेबल कालूराम धायल बाल-बाल बच गए। बदमाश द्वारा चलाई गई गोली उनकी बुलेट प्रूफ जैकेट में जा धंसी।

जयपुर फायरिंग के बाद भीलवाड़ा की ओर आए थे बदमाश

पुलिस सूत्रों के अनुसार जयपुर क्षेत्र में दो दिन पहले फायरिंग की गंभीर वारदात को अंजाम देने के बाद हथियारबंद बदमाशों के भीलवाड़ा की ओर आने की सूचना जयपुर पुलिस से मिली थी। सूचना मिलते ही भीलवाड़ा पुलिस और एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स अलर्ट हो गई और बदमाशों को पकड़ने के लिए विशेष नाकाबंदी की योजना बनाई गई।

हाथी भाटा आश्रम के समीप नाकाबंदी, कार रुकते ही की फायरिंग

पुर थाना प्रभारी कन्हैया लाल के नेतृत्व में एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स के इंचार्ज कालूराम धायल तथा कांस्टेबल बनवारी लाल बिश्नोई, राकेश भंडारी, असलम, घेवरचंद और घीसूलाल के साथ हाथी भाटा आश्रम के पास नाकाबंदी की गई। इसी दौरान मांडल की ओर से आती एक ग्लैंजा कार को रोकने का इशारा किया गया। कार रुकते ही उसमें सवार जितेंद्र सिंह, जो जयपुर फायरिंग मामले में वांछित बताया जा रहा है, उस ने अचानक पिस्तौल निकालकर पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। बदमाश की गोली सीधे एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स इंचार्ज कालूराम धायल की बुलेट प्रूफ जैकेट में लगी, जिसके चलते उनकी जान बच गई।

जवाबी कार्रवाई में बदमाश के पैर में लगी गोली

पुलिस ने तत्काल मोर्चा संभालते हुए जवाबी फायरिंग की। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स इंचार्ज कालूराम धायल द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में जितेंद्र सिंह के पैर में गोली लगी, जिससे वह घायल होकर गिर पड़ा। पुलिस टीम ने मौके पर ही उसे काबू में ले लिया।

एक साथी डिटेन, हथियार और कार जब्त

मुठभेड़ के बाद पुलिस ने जितेंद्र सिंह के साथ मौजूद उसके साथी संदीप को भी डिटेन कर लिया। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से एक पिस्टल और वारदात में प्रयुक्त कार को जब्त कर लिया है। घायल जितेंद्र सिंह को उपचार के लिए महात्मा गांधी जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

पुलिस अधीक्षक पहुंचे अस्पताल

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र यादव भी महात्मा गांधी अस्पताल पहुंचे और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। पुलिस अब दोनों आरोपितों से गहन पूछताछ कर रही है तथा जयपुर फायरिंग कांड से जुड़े अन्य अपराधियों और नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी है।

अजमेर रोड पर विकास की पोल खुली, सुशांत सिटी से पहले बना 'हादसों का हाईवे'

तीन महीने से 100 फीट का गड्ढानुमा रास्ता, रोज़ हादसे—क्या नगर विकास न्यास किसी बड़ी मौत का इंतजार कर रहा है?

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। शहर के विकास के बड़े-बड़े दावे करने वाला नगर विकास न्यास (यूआईटी) अजमेर रोड पर अपनी ही नाकामी का जीता-जागता उदाहरण पेश कर रहा है। भीलवाड़ा शहर से अजमेर रोड स्थित सुशांत सिटी से पहले मुख्य सड़क मार्ग पर करीब 100 फीट का हिस्सा पिछले तीन महीनों से गड्ढों में तब्दील हो चुका है, जहां हर गुजरता वाहन हादसे को दावत दे रहा है।

सड़क पर उखड़ा डामर, फैली गिट्टियां और गहरे गड्ढे यह साबित करने के लिए काफी हैं कि करोड़ों रुपए के विकास के दावे सिर्फ फाइलों और भाषणों तक सीमित हैं। आए दिन दोपहिया वाहन चालक गिर रहे हैं, कारें झटकों से क्षतिग्रस्त हो रही हैं और ऑटो चालकों की जान हलक में अटकी रहती है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी आंखें मूंदे बैठे हैं।

सबसे गंभीर सवाल यह है कि जिला प्रशासन और नगर विकास न्यास के अधिकारी इसी मार्ग से रोज़ गुजरते हैं, फिर भी न तो चेतावनी बोर्ड लगाए गए और न ही अस्थायी मरम्मत तक की गई। ऐसा प्रतीत होता है कि भीलवाड़ा नगर विकास न्यास किसी बड़े हादसे या जानलेवा दुर्घटना के बाद ही हरकत में आने की मानसिकता पर काम कर रहा है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि यही हालात रहे और किसी निर्दोष की जान गई, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी नगर विकास न्यास और प्रशासनिक अधिकारियों की होगी। जनता पूछ रही है कि आखिर कब तक आमजन की जान को यूं ही विकास की बलि चढ़ाया जाता रहेगा?

अब समय आ गया है कि नगर विकास न्यास जमीनी हकीकत देखे और दिखावटी विकास छोड़कर तुरंत इस सड़क की मरम्मत कर स्थायी समाधान करे, अन्यथा जनआक्रोश सड़कों पर फूटना तय है।

मांडलगढ़ में गूंजा समरसता का शंखनादः 'कुटुंब से ही होगा राष्ट्र निर्माण', विराट हिंदू सम्मेलन में उमड़ा जनसैलाब

स्मार्ट हलचल | मांडलगढ़

सकल हिंदू समाज के तत्वावधान में रविवार को मांडलगढ़ नगर में 'विराट हिंदू सम्मेलन' का ऐतिहासिक आयोजन किया गया। नई आबादी स्थित स्वास्तिक वाटिका में आयोजित इस सम्मेलन में क्षेत्र के सैकड़ों प्रबुद्ध नागरिकों और मातृशक्ति ने संगठित और संस्कारवान समाज का संकल्प लिया।

कलश यात्रा में दिखा मातृशक्ति का उत्साह

कार्यक्रम का आगाज प्रातः 11 बजे आदर्श विद्या मंदिर से भव्य शोभायात्रा एवं कलश यात्रा के साथ हुआ। मंगल

कलश धारण किए मातृशक्ति और हाथों में धर्म ध्वजा लिए युवाओं का उत्साह देखते ही बनता था। नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरती हुई यह यात्रा जब आयोजन स्थल पहुंची, तो पूरा मार्ग पुष्प वर्षा और 'जय श्री राम' के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा।

मुख्य वक्ता कुटुंब प्रबोधन प्रमुख सूर्य प्रकाश शर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि, 'समाज की प्रथम इकाई परिवार है। यदि हमारे परिवार संस्कारी और संगठित होंगे, तो राष्ट्र स्वतः ही शक्तिशाली बनेगा।' उदयपुर माकड़देव धाम के पूज्य ब्रह्मचारी श्री श्री गुलाबदास जी महाराज ने सनातन मार्ग पर चलने और एकता बनाए रखने का आह्वान किया। वहीं मातृ शक्ति वक्ता पुष्पा अरोड़ा ने नई पीढ़ी में संस्कारों के बीजारोपण को माताओं का प्राथमिक उत्तरदायित्व बताया।

सम्मेलन की अध्यक्षता नंदलाल सेन ने की एवं प्रस्तावना सुधीर कुमार सोनी ने रखी। कार्यक्रम में सुनीता ब्रह्मभट्ट, लक्षिता सोनी और अवनी वैष्णव ने देशभक्ति गीतों और भजनों की सुमधुर प्रस्तुतियां दीं। अंत में भारत माता की आरती और सामूहिक प्रसादी का आयोजन किया गया। इस दौरान शंभू लाल चांवरिया, कैलाश चंद्र पटवा, जमनालाल सेन और दीपक कुमार बापना सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इम्पैक्ट फीचर

विजन, विश्वास और मेहनत की कहानी

राजेश मीणा और लैबटेक हेल्थकेयर

नेतृत्व, टीमवर्क और विश्वास से बनी लैबटेक हेल्थकेयर की विरासत

राजेश कुमार मीणा
मेनेजिंग डायरेक्टर
लेबटेक हेल्थ केयर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी

अगली पीढी की मिसाल: बेटियाँ बनीं सफलता की पहचान

राजेश मीना जी का जीवन जितना प्रेरणादायक है, उतना ही प्रेरक है उनकी अगली पीढ़ी की सफलता। उनकी तीनों बेटियाँ प्रिया मीना (MBBS), पायल मीना (MBBS), पूनम मीना (MBBS 2nd ईयर) और उनके छोटे भाई राकेश मीणा जी की सुपुत्री नेहा मीना (MBBS 2nd ईयर) - इन चारों होनहार बेटियों ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि परिवार में मूल्य, अनुशासन और शिक्षा की नींव मजबूत हो, तो बेटियाँ किसी भी ऊँचाई को छू सकती हैं।

इन सभी बेटियों ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा जयपुर के विद्या आश्रम से प्राप्त की, जहां से उन्होंने न केवल शैक्षणिक मूल्यों को आत्मसात किया, बल्कि संघर्ष और समर्पण की भावना भी पाई। आज ये चारों बेटियाँ देश के प्रतिष्ठित महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज से MBBS की पढ़ाई कर रही हैं -एक ऐसा सपना जो लाखों छात्र देखते हैं, लेकिन केवल कुछ ही पूरा कर पाते हैं।

इनकी सफलता केवल परिवार की नहीं, समाज की सफलता है। इन बेटियों ने न केवल उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त की, बल्कि उस धारणा को भी तोड़ा कि केवल बड़े शहरों या विशिष्ट परिवारों के बच्चे ही मेडिकल जैसे कठिन क्षेत्र में आगे बढ़ सकते हैं। इनका उदाहरण उन लाखों छात्राओं को उम्मीद देता है, जो सीमित संसाधनों में भी असीमित सपने देखती हैं।

ये बेटियाँ न केवल डॉक्टर बनने जा रही हैं, बल्कि मानव सेवा की नई पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करेंगी। इनके जीवन से हमें यह सीख मिलती है कि "अगर लक्ष्य स्पष्ट हो और मार्गदर्शन सशक्त, तो कोई भी परीक्षा कठिन नहीं होती।"

प्रिया, पायल, पूनम और नेहा- ये केवल नाम नहीं, नव भारत की आत्मनिर्भर नारी शक्ति का प्रतिनिधित्व हैं। उनकी यह उपलब्धि हमें यह यकीन दिलाती है कि जब माता-पिता और चाचा जैसे मार्गदर्शक हों, जब संस्कारों में शिक्षा का दीप जला हो, और जब मन में सेवा का भाव हो, तो बेटियाँ केवल डॉक्टर नहीं बनतीं, समाज की नई दिशा बनती हैं।

गाँव से ग्लोबल पहचान तक: लैबटेक हेल्थकेयर की सफलता की कहानी

करौली/जयपुर। राजस्थान के करौली जिले के छोटे से गाँव टोडूपुरा से निकलकर भारतीय मेडिकल डिवाइस और डायग्नोस्टिक उद्योग में अपनी पहचान बनाने वाले उद्यमी राजेश मीणा आज प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणा का उदाहरण बन चुके हैं।

साधारण ग्रामीण पृष्ठभूमि से शिक्षा तक

साधारण ग्रामीण परिवेश में जन्मे राजेश मीणा ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा गाँव के स्कूल से प्राप्त की। सीमित संसाधनों के बावजूद शिक्षा के प्रति लगन और निरंतर मेहनत के बल पर उन्होंने जयपुर स्थित राजस्थान विश्वविद्यालय से स्नातक की पढ़ाई पूरी की।

रियल एस्टेट से IVD इंडस्ट्री की ओर

पढ़ाई के बाद उन्होंने रियल एस्टेट व्यवसाय से अपने करियर की शुरुआत की और व्यावसायिक समझ के दम पर सफलता हासिल की। इसी दौरान उनके छोटे भाई IVD इंडस्ट्री से जुड़े हुए थे। मेडिकल और डायग्नोस्टिक सेक्टर को नजदीक से समझने के बाद राजेश मीणा के मन में इस क्षेत्र में कुछ दीर्घकालिक और मूल्य आधारित करने का विचार उत्पन्न हुआ।

Sigma Diagnostic Distributor से शुरुआत

इसी सोच के साथ उन्होंने Sigma Diagnostic Distributor के रूप में डायग्नोस्टिक बिजनेस की शुरुआत की। गुणवत्ता, समय पर आपूर्ति और भरोसे के बल पर यह व्यवसाय तेजी से आगे बढ़ा और वर्ष 2019 तक लगभग 12 करोड़ रुपये के कारोबार के स्तर तक पहुँच गया।

2019 में Labtech Healthcare की स्थापना

वर्ष 2019 में व्यवसाय को एक संगठित और दीर्घकालिक पहचान देने के उद्देश्य से Labtech Healthcare India Private Limited की स्थापना की गई। इसी वर्ष उनके छोटे भाई राकेश मीणा तथा सहयोगी दीपक वशिष्ट और रवि नरुका कंपनी से जुड़े। नई लीडरशिप, स्पष्ट विजन और टीमवर्क के साथ कंपनी ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विस्तार की दिशा में कदम बढ़ाए।

100 करोड़ से अधिक का कारोबार

स्पष्ट रणनीति और सामूहिक प्रयासों का परिणाम यह रहा कि वर्ष 2019 से 2025 के बीच कंपनी ने 100 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया और भारतीय मेडिकल डिवाइस व डायग्नोस्टिक क्षेत्र की तेजी से उभरती कंपनियों में अपनी जगह बनाई।

Rising Rajasthan में 25 करोड़ का MoU

उद्योग विस्तार की दिशा में एक अहम उपलब्धि तब सामने आई जब Rising Rajasthan Investment Summit के दौरान कंपनी ने 25 करोड़ रुपये का MoU साइन किया। यह समझौता राजस्थान में मेडिकल डिवाइस सेक्टर में निवेश और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

2025 से मैन्युफैक्चरिंग की शुरुआत

वर्ष 2025 में लैबटेक हेल्थकेयर ने ट्रेडिंग से आगे बढ़ते हुए मेडिकल डिवाइस और डायग्नोस्टिक रीजेंट्स की मैन्युफैक्चरिंग की औपचारिक शुरुआत की। इसी वर्ष सीतापुर इंडस्ट्रियल एरिया में लगभग एक लाख वर्ग फीट में फैले अत्याधुनिक मैन्युफैक्चरिंग एवं कॉर्पोरेट कैंपस का विस्तार किया गया, जहाँ उत्पादन, क्वालिटी कंट्रोल, वेयरहाउस और आरएंडडी की सुविधाएँ विकसित की गई हैं।

2030 तक 500 करोड़ का लक्ष्य

आज लैबटेक हेल्थकेयर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड भारतीय मेडिकल डिवाइस और डायग्नोस्टिक उद्योग में एक भरोसेमंद नाम बन चुकी है। कंपनी वर्ष 2030 तक 500 करोड़ रुपये के कारोबार के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रही है।

टीमवर्क और विश्वास की कहानी

यह सफलता किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि भाईचारे, टीमवर्क और आपसी विश्वास का परिणाम है—जो यह साबित करता है कि साधारण शुरुआत भी सही विजन और मजबूत नेतृत्व के साथ असाधारण मुकाम तक पहुँच सकती है।

श्री नला की माताजी सामूहिक लंगर समिति सौजन्य से
रोहित जी, गोपीचंद जी, बहादुर जी,
अनिल धाकड़, प्रेमचंद मीणा, अर्जुन मीणा
NH 27 Kota road ala kamata ji

राकेश कुमार मीणा
डायरेक्टर सेल्स

Diatron (Germany)

Lifotronics (China)

Spinreact (Spain)

Mindray (China)

दीपक वशिष्ठ
एप्लीकेशन डायरेक्टर

रवि नरूका
सर्विस डायरेक्टर

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com

किशनगढ़ हिंदू सम्मेलन में उमड़े ग्रामीण, संत जनों के स्वागत पलक पांवड़े बिछाए

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर। सवाईपुर क्षेत्र के किशनगढ़ गांव में रविवार को हिंदू सम्मेलन का आयोजन हुआ । गांव केसरिया रंग से सजा नजर आया । तेजाजी मंदिर परिसर से प्रातः 10:15 बजे 101 महिलाओं ने डीजे साउंड पर गाजे बाजे के साथ कलश यात्रा निकाली । शोभा यात्रा कस्बे के बाजार में चौराहों से होकर आसन के भेरू नाथ स्थान पर पहुंचकर संपन्न हुई । संत जनों के स्वागत के लिए ग्रामीण उमड पड़े जगह-जगह पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गुलाब दास महाराज थे । अध्यक्षता समाजसेवी सोहनलाल तेली ने की । महिला अध्यक्ष सुमन वैष्णव व मुख्य वक्ता स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत पर्यावरण प्रमुख महेश नेहवाल थे । मुख्य वक्ता नेहवाल ने कार्यक्रम में मौजूद ग्रामीणों से उच नीच व भेदभाव छोड़कर पहले सनातनी होने की बात कही । नेहवाल ने आज के जागृत समाज को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 वर्षों की यात्रा का सार बताया है । सभ्य, संस्कारीत, समर्थ एवं समरसता युक्त समाज निर्माण करना संघ का उद्देश्य है । गुलाब दास महाराज ने मातृशक्ति से महाराणा प्रताप, शिवाजी, चंद्रशेखर, भगत सिंह व सुभाष चंद्र बोस जैसे बेटे निर्माण करने का आवाहन किया । कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आसपास के गांव मातृशक्ति मौजूद रही । भारत माता की आरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ । मौजूद लोगों को प्रसाद वितरण किया गया।

सलावटिया पीएचसी का उपखंड अधिकारी ने किया निरीक्षण

स्मार्ट हलचल

बिजौलियाँ। बिजोलियां उपखंड अधिकारी अजित सिंह राठौड़ ने बिजोलियाँ ब्लॉक के आदर्श प्राथमिक स्वस्थ्य केंद्र सलावटिया का चिकित्सकीय व्यवस्थाओं को लेकर निरीक्षण किया।

उपखंड अधिकारी राठौड़ ने पीएचसी पर दी जा रही मुख्यमंत्री की विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना, मुख्य मंत्री निःशुल्क जांच योजना, जेएसवाई आदि का जायजा लिया और योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन हेतू आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

इस मौके पर पीए रौशन मीणा, डॉक्टर पूजा मीणा, नर्सिंग ऑफिसर नारायण लाल माली, सोनी कुमारी रैगर, फार्मासिस्ट कप्तान सिंह मीणा, अनिता आदि उपस्थित थे।

मंडपिया फाटक हादसे के बाद मानवीय पहलःमृतक मजदूर के परिवार को दी 8 लाख की आर्थिक सहायता

स्मार्ट हलचल

मंगरोप। थाना क्षेत्र के मंडपिया फाटक पर शनिवार देर रात हुए दर्दनाक हादसे में प्रोसेस हाउस में मजदूरी करने जा रहे मजदूर की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई।सूचना मिलते ही मंगरोप थाना प्रभारी विजय मीणा मय जाप्ता मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली।थानाप्रभारी विजय मीणा ने बताया कि चौयलों का खेड़ा निवासी पवन कंजर(22) पुत्र राधेश्याम कंजर शनिवार रात करीब 7:30 बजे रीको एरिया स्थित जानकी प्रोसेस में पैदल मजदूरी करने जा रहा था।मंडपिया फाटक पार करते समय अचानक ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जिला चिकित्सालय की मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया था।घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन व ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर पहुंचे,जहां शोक का माहौल छा गया।पवन परिवार का एकमात्र सहारा था।उसके दो छोटे बच्चे हैं तथा पत्नी चार माह की गर्भवती है।पातलियास प्रशासक सहित ग्रामीणों ने मृतक के आश्रित परिवार को उचित मुआवजा दिलाने की मांग उठाई।रविवार सुबह ग्रामीण जानकी प्रोसेस के गेट के बाहर एकत्रित होने लगे,लेकिन स्थिति को देखते हुए फैक्ट्री प्रबंधन ने तुरंत संवेदनशीलता दिखाते हुए सभी को ससम्मान फैक्ट्री परिसर में आमंत्रित किया।कुछ ही देर की सकारात्मक वार्ता के बाद फैक्ट्री प्रबंधन और ग्रामीणों के बीच सहमति बन गई।जानकी प्रोसेस प्रबंधक मनोहर मित्तल ने मृतक पवन कंजर के आश्रित परिजनों को 8 लाख रुपये की सहायता राशि देने तथा अंतिम क्रियाक्रम के लिए 15 हजार रुपये नगद देने पर सहमति जताई गई।फैक्ट्री प्रबंधन ने कहा कि यहां काम करने वाले केवल मजदूर नहीं,बल्कि परिवार के सदस्य हैं और उनके सुख-दुख में प्रबंधन सदैव साथ खड़ा रहेगा।इस मानवीय और त्वरित निर्णय से परिजनों को बड़ा संबल मिला तथा बिना किसी प्रदर्शन के ही मामला सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझ गया।फैक्ट्री प्रबंधन की इस पहल की ग्रामीणों ने सराहना की और इसे समाज के लिए एक सकारात्मक उदाहरण बताया।

धूमधाम से निकली माता दधिमथी की सवारी, पुष्प वर्षा से महक उठा आजादनगर

स्मार्ट हलचल | वशिष्ठ शर्मा

भीलवाड़ा। दाधीच समाज द्वारा रविवार, 25 जनवरी को आराध्य देवी माँ दधिमथी की भव्य सवारी हर्षोल्लास के साथ निकाली गई। मीडिया प्रभारी दीपक शर्मा ने बताया कि इस धार्मिक आयोजन में समाज के पुरुष, महिलाएँ और बच्चे बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए। महिलाएं चुनड़ी की साड़ी ओर पुरूष कुर्ता पायजामा पहने हुए थे। सवारी प्रारंभ होने से पूर्व माताजी के मंदिर में विशेष मंगल पाठ का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से माता की स्तुति की, जिससे संपूर्ण वातावरण धर्ममय हो गया। न्यास अध्यक्ष हरि प्रकाश कंठ एवम मंदिर कमेटी अध्यक्ष हीरालाल ओझा ने पहले बेवाण की पूजा अर्चना ओर आरती की, इसके पश्चात बैंड-बाजों की मधुर स्वर लहरियों के साथ माताजी का बेवाण (पालकी) रवाना हुआ। सवारी माताजी के मंदिर से प्रारंभ होकर साँवरिया मंदिर, आजादनगर पहुँची। रास्ते भर श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बनता था। मार्ग में जगह-जगह क्षेत्रवासियों द्वारा माताजी की सवारी पर फूलों की बारिश की गई। श्रद्धा का आलम यह था कि लोगों ने अपने घरों के बाहर खड़े होकर माताजी की आरती उतारी और सुख-समृद्धि की कामना की।

इस अवसर पर संजय शर्मा और उनके अखाड़े की बच्चियों द्वारा रास्ते मे मलखंभ, तलवार बाजी, करतब आदि की प्रस्तुति दी गयी। इस पावन अवसर पर जिला दाधीच मंडल अध्यक्ष राजमल जोशी , कैलाश शर्मा, रमेश व्यास, घनश्याम शर्मा, हुक्मीचंद शर्मा, जमनालाल जोशी, राजेश शर्मा, गोपीकिशन पाटोदिया, हरीश शर्मा, सत्यदेव त्रिपाठी, कुश आचार्य, वीरेंद्र, नारायण,

कमलेश आचार्य, दीपक, राहुल, रमेश चंद्र शर्मा राहुल शर्मा अशोक जोशी मनीषा आसोपा, गणपत दाधिच, जुगल दाधीच वीरेंद्र शर्मा, नीरज तिवाड़ी, योगेश दाधीच, मनोज, दिनेश शर्मा, सुमंत भट्ट, राजेश तिवाड़ी, गोपाल शर्मा, जगदीश शर्मा, ओम जोशी पोटला, अक्षय, कुलदीप, सावित्री शर्मा, मंजू शर्मा आदि अनेक भक्तगण उपस्थित रहे। सवारी पुनः भ्रमण कर माताजी के मंदिर पहुँची, जहाँ महाआरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। सभी को प्रसाद वितरित किया गया।

मॉडल स्कूल बनेड़ा मे ड्रामा प्रतियोगिता संपन्न

स्मार्ट हलचल | बनेड़ा

उपखण्ड मुख्यालय स्थित स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल विद्यालय क्लस्टर स्तर ड्रामा प्रतियोगिता संपन्न हुई। क्लस्टर स्तरीय इंग्लिश ड्रामा प्रतियोगिता में मॉडल स्कूल बनेड़ा के विद्यार्थियो ने दल प्रभारी चंचल प्रजापति के नेतृत्व मे तृतीय स्थान प्राप्त किया, क्लस्टर स्तर पर इंग्लिश ड्रामा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमें मॉडल स्कूल बनेड़ा के 7 बच्चों की टीम ने देश की बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देने वाली लघु नाटिका का बहुत ही भावपूर्ण मंचन किया।

प्रधानाचार्य श्री भरत देव धाभाई ने बताया कि विद्यालय मे क्लस्टर लेवल ड्रामा प्रतियोगिता आयोजित हुई जिसमे भीलवाड़ा कलस्टर-6 की 8 टीमों के विद्यार्थियो ने भाग लिया कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि डॉ.कल्पना शर्मा एडीपीसी भीलवाड़ा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप मे ब्लॉक शिक्षा अधिकारी महेश व्यास थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्लस्टर प्रभारी ईश्वर सिंह मीणा द्वारा की गई। विद्यालय की ओर से क्लस्टर स्तरीय इंग्लिश ड्रामा प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को परितोषिक वितरण किया गया। विजेता टीम 27 जनवरी को मॉडल विद्यालय राजसमंद में होने वाली राज्य स्तरीय इंग्लिश ड्रामा प्रतियोगिता में भाग लेगी। कार्यक्रम का संचालन मोनिका स्वर्णकार एवं दीपक शर्मा ने किया।कार्यक्रम मे विद्यालय के समस्त स्टाफ एवं अभिभावको की सक्रिय भूमिका रही।

राजकीय महाविद्यालय बनेड़ा में एनएसएस शिविर के तीसरे दिन गूँजा मतदाता जागरूकता का संदेश

स्मार्ट हलचल | बनेड़ा

उपखण्ड मुख्यालय स्थित राजकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के तृतीय दिवस मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) के. एल. मीणा द्वारा माँ सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया गया। आज के कार्यक्रम का मुख्य केंद्र 'राष्ट्रीय मतदाता दिवस' रहा। इस अवसर पर स्वयंसेवकों द्वारा एक भव्य मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। हाथों में स्लोगन लिखी पट्टियाँ थामे विद्यार्थियों ने ग्रामीणों और युवाओं को मतदान के महत्व के प्रति जागरूक किया। रैली के पश्चात प्राचार्य डॉ. मीणा ने सभी स्वयंसेवकों और संकाय सदस्यों को निष्पक्ष एवं अनिवार्य मतदान की शपथ दिलाई। शिविर के तृतीय दिवस पर शारीरिक दक्षता और टीम भावना को बढ़ावा देने के लिए स्वयंसेवकों के विभिन्न दलों के मध्य सितोलिया खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पारम्परिक खेल के माध्यम से विद्यार्थियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। बौद्धिक सत्र के दौरान कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सिद्धार्थ कुमार देसाई ने तकनीकी सत्र को संबोधित किया। उन्होंने सरकार द्वारा संचालित 'वोटर हेल्पलाइन' ऐप और पोर्टल के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि किस प्रकार युवा घर बैठे अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वा सकते हैं और चुनावी प्रक्रियाओं की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। सत्र के अंत में आगामी चतुर्थ दिवस की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की गई, जिसमें सामाजिक सेवा और श्रमदान के लक्ष्यों को निर्धारित किया गया। कार्यक्रम का समापन सामूहिक वन्देमातरम गान के साथ देशभक्तिपूर्ण वातावरण में हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय का समस्त स्टाफ और एनएसएस स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

बासड़ा में एक दिवसीय मेले का हुआ आयोजन

स्मार्ट हलचल | गुरला

गुरला क्षेत्र के ग्राम पंचायत गुंदली के बासड़ा में भगवान देवनारायण मंदिर में मयसाता पर को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रति वर्ष के अनुसार ग्राम बासड़ा में प्राचीन एवम चमत्कारी श्री देव देवनारायण मंदिर में भगवान का जन्मोत्सव मनाया गया। इस दिन यहां मंदिर प्रांगण में एक दिवसीय मेले का आयोजन भी हुआ। मंदिर को दूलहन व भव्य तरीके से दो तीन पहले से ही से ही शाम को जागरण एवम भजन कीर्तन से एवम अन्य कार्यक्रम का आयोजन होता है। सुबह से ही दर्शनों के लिए भक्तो का तांता लग जाता है। प्रातः भगवान श्री देवनारायण की शोभा यात्रा ग्राम बासड़ा मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होती हुई संपूर्ण ग्राम में भ्रमण करते हुए मंदिर प्रांगण में पहुंचती। शोभा यात्रा में आकर्षक झांकियां, घोड़े, ढोल बाजे के साथ आतिशबाजी करते हुए भक्तो के साथ मंदिर पहुंची जगह-जगह शोभा यात्रा का स्वागत किया गया। मंदिर की अति प्राचीन परंपरा अनुसार मक्के की राबड़ी का भोग महाप्रसाद रूप में भक्तो को वितरित किया गया।इस अवसर पर भगवान देवनारायण की प्रतिमा के सामने ध्वजा चढ़ाई गई उसके बाद भगवान देवनारायण की आरती कर प्रसाद वितरण की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में आरती दर्शन करने पहुंचे लोग गुंदली पंचायत के बासड़ा देवनारायण मंदिर में भक्तों की भीड़ रही। देवनारायण मेला सेवा समिति के अध्यक्ष उम्मेदसिंह राणावत ने बताया कि बासड़ा के देवनारायण मंदिर में एक दिवसीय मेले का आयोजन किया गया। व्यवस्था मंदिर ट्रस्ट द्वारा की जाती है। भोपा नारायण लाल बलाई का परिवार यहां पांच पीढ़ी से सेवा कर रहा है। यहां साल में दो बार मेले का आयोजन किया जाता है। गुरला कारोई गुदंली बागोर गंगापुर पुर भीलवाड़ा गाडरमाला मोमी नोंगावा एवं आस पास के गांव के लोग दर्शन के लिए आते हैं।

खेत में कृषि कार्य कर रहे किसान को जहरीले जंतु ने काटा, हुई मौत

स्मार्ट हलचल | पुनित चपलोत

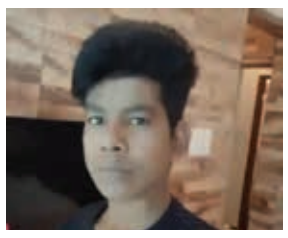

भीलवाड़ा । जहाजपुर में खेत में कृषि कार्य कर रहे एक किसान की जहरीले जंतु के काटने से मौत हो गई।पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर जांच शुरू की । जहाजपुर पुलिस ने बताया कि थाना क्षेत्र में रहने वाले दिनेश मीणा पिता अंबा लाल मीणा उम्र 24 वर्ष दिनांक 24 जनवरी शनिवार को अपने खेत में कृषि कार्य कर रहा था। इसी दौरान उसे किसी जहरीले जंतु ने काट लिया।जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। परिजनों को घटना का पता चलते ही परिजन युवक को इलाज के लिए पहले जहाजपुर अस्पताल ले गए जहां से उसकी हालत ज्यादा गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया । जिला अस्पताल में दिनेश ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। सूचना पर थाना पुलिस ने जिला अस्पताल की मोर्चरी पहुंचकर परिजनों की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भारिंडा गांव में देवनारायण मंदिर का नवनिर्माण शुरूः पूजन के दौरान मौजूद रहे कई लोग, मंदिर की रखी गई थी नींव

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। कस्बे के भारिंडा गांव में स्थित श्री देव नारायण भगवान के नये मंदिर निर्माण के लिए, देवनारायण जयंती माघ सप्तमी पर रविवार सुबह 9:15 बजे नीव का मुहूर्त रखा गया था जिसमे समस्त ग्रामीण शामिल होकर ब्रह्म मुहूर्त मे निर्माण कार्य की शुरुआत की गई। देवनारायण भगवान के मंदिर के स्थान पर अब नवनिर्मित भव्य मंदिर का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। नए मंदिर की नींव गांव के समस्त ग्रामीणों ने पूजा-अर्चना कर विधिवत रूप से नए मंदिर की नींव रखी। वर्षों बाद गांव वर्तमान स्थान पर मंदिर अपनी ऐतिहासिक और धार्मिक महत्ता को आज भी बनाए हुए है। नवनिर्मित मंदिर की नींव रखते समय आसपास के ग्रामीणों सहित समाज के कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने मंदिर निर्माण को लेकर उत्साह व्यक्त किया और इसे गांव की आस्था का महत्वपूर्ण केंद्र बताया। ग्रामीणों का कहना है कि नए मंदिर के निर्माण से धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और गांव की सांस्कृतिक विरासत भी अधिक सुदृढ़ होगी। भारिंडा गांव में देवनारायण भगवान के मंदिर की नींव रखते समय आसपास के ग्रामीणों सहित समाज के कई लोग मौजूद रहे।

सूर्य सप्तमी पर आयुर्वेद औषधालयों में एक साथ हुआ सामूहिक सूर्य नमस्कार

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर। सूर्य सप्तमी के पावन अवसर पर रविवार 25 जनवरी 2026 को आयुष मंत्रालय एवं क्रीड़ा भारती के संयुक्त तत्वावधान में जिलेभर के आयुर्वेद औषधालयों में एक साथ एक ही समय पर सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया । कार्यक्रम में आमजन ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर योग व स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश दिया । इस अवसर पर आयुर्वेद चिकित्साधिकारी डॉ. मुकेश वैष्णव ने कहा कि सूर्य नमस्कार संपूर्ण शरीर और मन का श्रेष्ठ व्यायाम है । इसके नियमित अभ्यास से शरीर निरोगी रहता है, मानसिक तनाव दूर होता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है । उन्होंने योग को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया । कार्यक्रम राजकीय आयुर्वेद औषधालय बन का खेड़ा, संगतपुरिया एवं हाजीवास में आयोजित किया गया । जहां योग प्रशिक्षकों शिव प्रकाश सुथार, चेतन प्रकाश लोधा, सुषमा कंवर एवं चांद मोहम्मद द्वारा विधिवत सूर्य नमस्कार का अभ्यास करवाया गया । सुबह से ही बड़ी संख्या महिला-पुरुष, युवा एवं बुजुर्ग कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे और सामूहिक रूप से सूर्य नमस्कार कर सूर्य सप्तमी का पर्व श्रद्धा व उल्लास के साथ मनाया, आयोजन के माध्यम से योग, आयुर्वेद एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जनमानस को जागरूक करने का प्रभावी संदेश दिया गया।

काछोला में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की अश्वरूढ़ प्रतिमा का किया अनावरण

शौर्य, त्याग, पराक्रम और देशभक्ति की पहचान है महाराणा प्रताप का जीवन-रॉयल

स्मार्ट हलचल | काछोला

कस्बे के काछोला में हिंदुवा सूरज वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की अश्वारूढ़ प्रतिमा का अनावरण महाराणा प्रताप चौराहा पर किया गया। महाराणा प्रताप स्मारक समिति के संरक्षक वंश प्रदीप सिंह सोलंकी,काछोला प्रशासक रामपाल बलाई,सहसंरक्षक राजेन्द्र सिंह सोलंकी ने बताया कि प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मेघराज सिंह रॉयल भामाशाह, उद्योगपति चैयरमेन जीपीएफ, अध्यक्षता चन्द्रवीर सिंह नमाणा महाराणा प्रताप स्मारक अभियान राष्ट्रीय अध्यक्ष, गोपाल लाल शर्मा विधायक मांडलगढ़,प्रदीप कुमार सिंह पूर्व विधायक,पूर्व जिला प्रमुख शक्ति सिंह हाड़ा,काछोला प्रशासक रामपाल बलाई, अर्जुन सिंह गौड़ अध्यक्ष राजस्थान सरपंच संघ,उद्योगपति बृजेन्द्र कुमार गोयल,कान सिंह ओस्तवाल,भगवत सिंह,कल्पना राठौड़ के आतिथ्य में विधि विधान व वैदिक मंत्रोचारण के साथ अनावरण किया।

मुख्य अतिथि मेघराज सिंह रॉयल ने प्रतिमा अनावरण के दौरान कहा कि प्रताप न केवल मेवाड़, बल्कि पूरे देश के लिए साहस व देशभक्ति के प्रतीक हैं और कहा कि प्रताप के जीवन से युवाओं को प्रेरणा लेने और मेवाड़ की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने का आह्वान किया और स्मरण करते हुए कहा कि शौर्य,त्याग,पराक्रम और देशभक्ति की पहचान महाराणा प्रताप का जीवन और उनके वीरता से भरे इतिहास को भुलाया नही जा सकता।

कार्यक्रम में माण्डलगढ़ विधायक गोपाल खंडेलवाल ने कहा कि महाराणा प्रताप के कारण ही मेवाड़ की धरा और सनातन धर्म सुरक्षित रहा है।

माण्डलगढ़ पूर्व विधायक प्रदीप कुमार सिंह ने कहा कि मेवाड़ शक्ति, भक्ति, त्याग और तपस्या की भूमि है। महाराणा प्रताप की यह प्रतिमा एक स्मारक नही बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए गौरव और आत्म गौरव की नई पहचान बनेगी।

महाराणा प्रताप राष्ट्र की विरासत हैं। उन्होंने प्रताप के संघर्षो को याद किया और कहा कि प्रताप का सम्मान देश की संस्कृति का सम्मान है।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाराणा प्रताप स्मारक अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष चन्द्र वीर सिंह नमाना ने कहा कि मेवाड़ को शौर्य, स्वाभिमान और बलिदान की पवित्र भूमि बताते हुए कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा है, उनके साहस और धर्म के प्रति समर्पण को हमें अपनाना चाहिए।अनावरण समारोह में उपस्तिथ अतिथियों ने महाराणा प्रताप को राष्ट्र की विरासत,स्वाभिमान और अदम्य साहस का प्रतीक बताया।सभी अतिथियों का स्वागत प्रशासक रामपाल बलाई,संरक्षक वंश प्रदीप सिंह सोलंकी,सम्पत सिंह सोलंकी,,राजेन्द्र सिंह सोलंकी,सत्य नारायण बलाई,हेमेंद्र सिंह,विजयराज सोनी,विक्रम सिंह,भगवान मंत्री, कैलाश धाकड़ सहित आदि ने स्वागत किया।कार्यक्रम में सैकड़ो महिला पुरुष समाजजन उपस्तिथ रहे।कार्यक्रम का संचालन सोहन लाल वैष्णव ने किया।

12 फिट ऊंची प्रतिमा का हुआ अनावरण-महाराणा प्रताप स्मारक संस्थान के संरक्षक वंश प्रदीप सिंह सोलंकी,सह संरक्षक राजेन्द्र सिंह सोलंकी ने बताया कि चेतक पर सवार महाराणा प्रताप की 12 फिट ऊंची पंचधातु से निर्मित है,जिसकी ऊंचाई 12 फिट और इसका वजन 2 हजार 200 किलोग्राम है।प्रतिमा का अनावरण स्थल एक नया ऐतिहासिक और सांस्कृतिक केंद्र बन गया है।

माही टॉक फेस्ट 4.0 का भव्य समापन

'घर से शुरू होगा बदलाव, तभी बदलेगा राष्ट्र' – निंबाराम जी

स्मार्ट हलचल|बांसवाड़ा

गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा एवं विश्व संवाद केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय साहित्य, संवाद और कला उत्सव माही टॉक फेस्ट (रूख) 4.0 का समापन रविवार को विचार, संस्कृति और राष्ट्रबोध के सशक्त संदेश के साथ भव्य रूप से संपन्न हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक एवं प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक श्री निंबाराम जी रहे, जबकि अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. केशव सिंह ठाकुर ने की। मंच पर विश्व संवाद केन्द्र के मेंटर मदन मोहन टांक एवं कुलसचिव कश्मी कौर भी उपस्थित रहे। अपने प्रेरक संबोधन में निंबाराम जी ने कहा कि घर से बदलाव शुरू होगा, तभी समाज, राज्य और देश में परिवर्तन आएगा। उन्होंने कुटुंब प्रबोधन को सामाजिक परिवर्तन की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि जो समाज समय, काल और परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढालता है, वही निरंतर विकास करता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ युगानुकूल परिवर्तन में विश्वास करता है और उसी मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ रहा है।

निंबाराम जी ने वागड़ अंचल की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं, माही नदी, बेणेश्वर धाम और मानगढ़ धाम के ऐतिहासिक व सांस्कृतिक महात्म्य का उल्लेख करते हुए इस अंचल की मुक्तकंठ से प्रशंसा की और माही टॉक फेस्ट जैसे आयोजनों को प्रेरणादायक बताया।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए प्रो. केशव सिंह ठाकुर ने कहा कि माही टॉक फेस्ट जैसे आयोजन युवाओं में वैचारिक चेतना, सांस्कृतिक आत्मबोध और राष्ट्रबोध को सुदृढ़ करने का कार्य करते हैं। समारोह के आरंभ में विश्व संवाद केंद्र के मेंटर मदनमोहन टांक ने स्वागत उद्बोधन दिया जबकि फेस्ट के समन्वयक डॉ. कमलेश शर्मा ने तीन दिवसीय आयोजन का संक्षिप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

समापन अवसर पर फेस्ट के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं एवं सहयोगियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नीरज श्रीमाली ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन कुलसचिव कश्मी कौर ने किया।

पुस्तक विमोचन

इस अवसर पर लेखक भागीरथ चौधरी द्वारा लिखित पुस्तक '...और यह जीवन समर्पित' का विमोचन भी किया गया, जो जीवन मूल्यों और समर्पण की भावना को रेखांकित करती है। पुस्तक परिचय देवांश गोस्वामी ने दिया।

रील्स और कार्यशालाओं से हुई दिन की शुरुआत

फेस्ट के तीसरे दिन की शुरुआत नागरिक शिष्टाचार विषयक रील्स मेकिंग प्रतियोगिता से हुई, जिसमें युवाओं ने सामाजिक जिम्मेदारी और नागरिक कर्तव्यों को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया। इसके पश्चात उदयपुर की श्रीमती रूचि श्रीमाली द्वारा 'आर्ट ऑफ रीडिंग' विषय पर प्रभावी कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों को गहन पठन और विवेकपूर्ण अध्ययन की विधियों से परिचित कराया गया।

मीडिया और साहित्य पर हुए विचारोत्तेजक संवाद

वैश्विक मीडिया और भारतीय मीडिया विषय पर आयोजित सत्र में वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय की क्षेत्रीय निदेशक डॉ. रश्मि बोहरा एवं वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र पालीवाल ने मीडिया की सामाजिक भूमिका और उत्तरदायित्व पर विचार साझा किए। सत्र के मॉडरेटर जुगनू त्रिवेदी रहे तथा संचालन डॉ. अर्पिता जैन ने किया। द्वितीय सत्र में राजस्थान साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष इंदुशेखर तत्पुरुष ने 'आनंद मठ और वंदे मातरम् के 150 वर्ष' विषय पर संवाद किया। इस सत्र की मॉडरेटर मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की प्रो. राजश्री चौधरी रहीं तथा संचालन कनन राठौड़ ने किया।

संगीतमय कथा से सजा समापन सत्र

अंतिम दिन का प्रमुख सांस्कृतिक आकर्षण रहा आदि शंकराचार्य पर आधारित इंदौर की ख्यातनाम स्टोरीटेलर भारती दीक्षित की संगीतमय कहानी प्रस्तुति, जिसने श्रोताओं को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक भावभूमि से जोड़ दिया। माही टॉक फेस्ट 4.0 का समापन यह संदेश देकर गया कि संवाद, साहित्य, मीडिया और संस्कृति के माध्यम से राष्ट्रबोध को सशक्त किया जा सकता है। यह आयोजन बांसवाड़ा को वैचारिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में सार्थक पहल साबित हुआ।

इस अवसर पर प्रो. राजेश जोशी, प्रो. नरेंद्र पानेरी, डॉ. प्रमोद वैष्णव, डॉ. राकेश डामोर, डॉ. लोकेन्द्र कुमार, डॉ. नीरज श्रीमाली, मामराज, विश्व संवाद केंद्र की ओर से मदन मोहन टांक, डॉ. कमलेश शर्मा, डॉ. सुनील कुमार खटीक, विकास छाजेड़, जयराज सहित बड़ी संख्या में युवा, विद्यार्थी और विश्वविद्यालय स्टाफ ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

विधायक आक्या के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने सुनी 'मन की बात'

स्मार्ट हलचल|ओम जैन

शंभूपुरा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' के 130वें संस्करण को विधायक चन्द्रभान सिंह आक्या के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने रविवार को शहर स्थित रूट ट्री प्लान्ट नर्सरी में सुना।

विधायक चन्द्रभान सिंह आक्या ने बताया कि मन की बात के 130 वें संस्करण में प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में रविवार को मनाये जाने वाले अंतरराष्ट्रीय मतदाता दिवस के उत्सव को सामाजिक आन्दोलन बनाने, स्टार्टअप एवं नवाचार के माध्यम से भारत को आत्मनिर्भर बनाने, नदियों के संरक्षण आदि विषयों पर प्रेरक विचार साझा किये। प्रधानमंत्री मोदी ने गणतंत्र दिवस का उल्लेख करते हुए कहा कि हमें विकसित भारत के संकल्प के साथ आगे बढना है और सशक्त राष्ट्र निर्माण में जनभागीदारी निभानी है।

इस अवसर अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने प्रधानमंत्री के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने और समाजहित में कार्य करने का संकल्प लिया।

इनरव्हील क्लब का चौदवां निःशुल्क सर्वजातीय विवाह सम्मेलन संपन्न

16 जोडो ने थामा एक दूजे का हाथ,जीवन भर साथ देने लिया वचन

स्मार्ट हलचल| कोटा

इनरव्हील क्लब ऑफ कोटा के तत्वावधान में चौदवा निःशुल्क सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन रोटरी बिनानी भवन में आयोजित किया गया। अध्यक्ष चारू जैन ने बताया कि इस पावन अवसर पर 16 नवविवाहित जोड़ों का विवाह वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ सम्पन्न कराया गया।कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि इन्नरव्हील प्रांत-305 की प्रांतीय चेयरमैन बिंदु गुप्ता एवं प्रांतीय सचिव रचना शाह रही।विशिष्ट अतिथि के रूप में एसोसिएशन काउंसिल मेंबर स्वाति गुप्ता उपस्थित रहकर नवदम्पतियों को शुभकामनाएं दी।

प्रांतीय चेयरमैन बिंदु गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि समाज में ऐसे आयोजन न केवल सामाजिक समरसता को बढ़ावा देते हैं, बल्कि जरूरतमंद परिवारों के लिए वरदान साबित होते हैं। एसोसिएशन काउंसिल मेंबर स्वाति गुप्ता ने नवदम्पतियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मजबूत परिवार ही सशक्त समाज की नींव होते हैं। जब सामाजिक संस्थाएं इस तरह के सेवा कार्य करती हैं तो समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। सचिव नीरजा कोहली ने बताया कि मांगलिक बेला के अंतर्गत प्रातः 10 बजे बारात निकासी, 11 बजे बारात स्वागत, 12.30 बजे वरमाला, दोपहर 02 बजे पाणिग्रहण संस्कार, अपराह्न 3 बजे विदाई संपन्न होगी। बारात प्रातः 10 बजे शीतला माता मंदिर, न्यू कॉलोनी से रवाना हुई।

नवदंपतियों को मिली कन्यादान सामग्री

कार्यक्रम समन्वयक पूनम गोयल एवं सह-समन्वयक नीता जैन ने बताया किसमिति द्वारा सभी नवविवाहित जोड़ों को कन्यादान स्वरूप बहुमूल्य उपहार भेंट किए गए। इनमें सोने की मंगलसूत्र, चांदी की बिछिया,ज्वैलरी सेट, लहंगा, सफारी सूट, अलमारी, पलंग, सात जोड़ी कपड़े,रजाई, बर्तन और घरेलू उपकरण,दुल्हे का कोट,अलमारी,डीनर सेट,ट्रोला,चादर सहित कई नए जीवन की शुरुआत के दैनिक उपयोग की वस्तुएं प्रदान की गईं।

यहां से आये जोड़े

निशा जैन ने बताया की मध्यप्रदेश के श्योपु,बारां, झालवाड़, ककरवादा, पीपल्दा, इटावा, अंता, केशवरायपाटन, लाडपुरा, आवली रोजड़ी, दिगोद, टोक, बूंदी से आए जोड़े शामिल हुए। सभी वर-वधुओं ने पारंपरिक हिन्दू रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह संपन्न किया। आभार सचिव नीरजा कोहली ने प्रेषित किया। इस अवसर पर पूनम गोयल,प्रीति गौत्तम,पुष्पा गुप्ता,आरती गर्ग,मानवती बंसल,रेखा सिंह,सुनीता जोली,रेनू पालीवाल,अंजली शर्मा व नवति गुप्ता ने मंच संचालन किया।

नवनिर्मित पलाई पुलिस चौकी में हवन के साथ मंगल कामना

स्मार्ट हलचल

नगर फोर्ट पलाई कस्बे में नवनिर्मित पुलिस चौकी के आधिकारिक शुभारंभ से पूर्व रविवार को चौकी परिसर में भक्तिमय माहौल के बीच विशेष पूजा-अर्चना और हवन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आचार्य पंडित बालकृष्ण शर्मा के सानिध्य में वैदिक विधि-विधान और मंत्रोच्चारण के साथ हवन कुंड में आहुतियां देकर क्षेत्र में सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की गई।वैदिक रीति-रिवाज से हुआ शुद्धिकरण।कार्यक्रम के दौरान पुलिस प्रशासन के अधिकारियों, स्टाफ और स्थानीय यजमानों ने पूर्ण श्रद्धा भाव से आहुतियां दीं।पंडित बालकृष्ण शर्मा ने शास्त्रों के अनुसार पूजन संपन्न करवाया।उपस्थित जनसमूह ने प्रार्थना कि यह नवनिर्मित पुलिस चौकी क्षेत्र में कानून व्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ आमजन के लिए सुरक्षा और विश्वास का केंद्र बने।प्रशासनिक और सामाजिक हस्तियों की रही गरिमामयी उपस्थिति

इस धार्मिक अनुष्ठान में पुलिस विभाग के अधिकारियों के साथ-साथ कस्बे के प्रबुद्ध नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पुलिस प्रशासन थानाधिकारी कप्तान सिंह, एएसआई रतनलाल, चौकी इंचार्ज रमेश चंद बैरवा एवं उनियारा थाने की टीम। जनप्रतिनिधि व सामाजिक कार्यकर्ता चारभुजा नाथ मंदिर समिति अध्यक्ष शेरसिंह सोलंकी, जीएसएस अध्यक्ष प्रधान गुर्जर, भाजपा ककोड़ मंडल अध्यक्ष महावीर गुर्जर, और ठेकेदार रमेश चंद चौधरी। प्रशासनिक एवं चिकित्सा क्षेत्र प्रभारी डॉ.सुमन मीणा, कचरावता पंचायत प्रशासक दिलीप सिंह नरूका,और प्रशासक लादूलाल रेगर उपस्थित रहे। गणमान्य नागरिकः हरिनारायण वर्मा, रामजस गुर्जर, मुकेश सैनी, राकेश जांगिड़, शाहरुख़ ख़ान, अमीन खां, कैलाश चन्द शर्मा और सुरेश सैनी सहित विभिन्न व्यापारिक व सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि। हवन के पश्चात उपस्थित ग्रामीणों और व्यापारियों ने पुलिस प्रशासन के इस कदम की सराहना की। लोगों का मानना है कि चौकी के सुचारू होने से अपराधियों में भय और आमजन में सुरक्षा का भाव पैदा होगा।

छीन ले दुश्मन का सुख-चैन, द रिटर्न ऑफ़ आर्मी मैन!

निंबाहेड़ा के हीरो नय्यूम खान की पहली बॉलीवुड फिल्म का प्रीमियर हुआ लॉन्च

फिल्म को लेकर दर्शकों में ज़बरदस्त उत्साह , ट्रेलर देखकर सभी ने फिल्म की खूब प्रशंसा की

स्मार्ट हलचल| निंबाहेड़ा

निंबाहेड़ा के छोटे से शहर से निकला एक फिल्मी कलाकार नय्यूम खान बॉलीवुड मुंबई पहुंचा। नय्यूम खान की पहली बॉलीवुड फिल्म द रिटर्न ऑफ आर्मी मैन का प्रीमियर शनिवार रात्रि को निंबाहेड़ा में चित्तौड़ रोड़ स्थित वंडर टाउन हॉल में जिला फुटबॉल संघ चित्तौड़गढ़ के अध्यक्ष पूरण आंजना एवं निंबाहेड़ा नगर पालिका के निवर्तमान अध्यक्ष सुभाष चंद्र शारदा के मुख्य आतिथ्य में एवं निवर्तमान पार्षद जावेद खान, जिला क्रीड़ा परिषद के पूर्व सदस्य मुकेश पारख के विशिष्ट आतिथ्य में लॉन्च हुआ।

प्रारंभ में अतिथियों के फिल्म प्रीमियर लॉन्च में पहुंचने पर फिल्म के प्रोड्यूसर,अभिनेता नय्यूम खान शाहबाश खान,प्रभाकर कालकेय शालिनी चौहान,लोकेश शर्मा,उस्मान खान,स्टेज संचालक एंकर दिव्या और समीर खान ने अतिथियों को मेवाड़ी पगड़ी पहनाकर और उपर्णा ओढ़ाकर आत्मीय स्वागत अभिनंदन किया। फिल्म के जबरदस्त एक्शन सीन देखकर मुख्य अतिथि पूरण आंजना और सुभाष चंद्र शारदा ने निंबाहेड़ा के उभरते हुए फिल्मी सितारे और इस फिल्म के एक्टर व प्रोड्यूसर नय्यूम खान की एक्टिंग की भूरी भूरी प्रशंसा की और साथ ही फिल्म के डायरेक्टर बाबू भट्ट और सभी कलाकारों को फिल्म की कामयाबी के लिए अग्रिम शुभकामनाएं दी।

इससे पूर्व सांय 5 बजे अभिनेता नय्यूम खान और उनकी टीम का शानदार जुलूस ईशक्काबाद से रवाना हुआ और अहिंसा सर्कल होते हुए महाराणा प्रताप चौक पर पहुंचा जहां जुलूस का शुभचिंतकों और आमजन ने माल्यार्पण कर अभिनेता नय्यूम खान और उनकी पूरी फिल्म यूनिट का स्वागत किया गया। तत्पश्चात जुलूस मंडी चौराहा और नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए वंडर टाऊन हॉल पहुंचा।

फिल्म के प्रोड्यूसर और अभिनेता नय्यूम खान ने सभी को धन्यवाद देते हुए फिल्म शूटिंग के दौरान के अनुभव साझा किए और बताया कि फिल्म की 350 स्क्रीन पूरे देश में 6 फरवरी को रिलीज़ होगी। उन्होंने दर्शको से 6 फरवरी को रिलीज़ फिल्म 'द रिटर्न ऑफ आर्मी मैन' को थियेटर में देखने की गुज़ारिश की। उपस्थित अतिथियों, मीडिया कर्मियों और उत्साही दर्शकों ने फिल्म की तारीफ करते हुए 6 फरवरी को फिल्म रिलीज़ के प्रथम दिन फिल्म देखने की इच्छा जताई।

इस अवसर पर हेल्प सोसायटी अध्यक्ष एकता सोनी, सेकेट्री संगीता बंसल, महिला सशक्तिकरण डायरेक्टर संगीता बंसल, वरिष्ठ पत्रकार भजन जिज्ञासु,जिला फुटबॉल संघ चित्तौड़गढ़ के सचिव फैसल खान, पत्रकार ज़ाकिर हुसैन एवं मीडियाकर्मियों सहित बड़ी संख्या में उपस्थित दर्शकों ने फिल्म का ट्रेलर देखकर आनंद लिया और फिल्म को अवश्य ही देखने की इच्छा जाहिर की।

सरपंच की दबंगता या राजनीतिक संरक्षण..?

राशमी में चारागाह भूमि पर अवैध अतिक्रमण, निर्माण और कचरा डंपिंग, सरपंच से लेकर जिला मुख्यालय तक सब मौन

स्मार्ट हलचल|ओम जैन

शंभूपुरा। लगभग बीते तीन सप्ताह पहले हमारे द्वारा राशमी उपखंड मुख्यालय पर पंचायत समिति से महज तीन सो मीटर की दूरी पर बहने वाली जीवनदायिनी बनास नदी को स्थानीय जनप्रतिनिधि सरपंच ने कचरा डंपिंग ग्राउंड बना कर रख दिया। जानकारी के अनुसार और पटवारी से बात करने पर पता चला कि उक्त भूमि चारागाह भूमि है। जिसका आराजी नम्बर 1600 है। बनास नदी मुहाने की इस चारागाह भूमि पर पंचायत द्वारा अवैध कचरा डंपिंग करने की पुष्टि भी की गई थी। उक्त गोचर भूमि पर अवैध कचरा डंपिंग ग्राउंड, अवैध अतिक्रमण और अवैध निर्माण का वीडियो फोटो मीडिया और सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल होते दिखाई दिए। जिसकी सूचना संबंधित पटवारी, तहसीलदार, उपखंड अधिकारी को 4 जनवरी को दी गई थी, लेकिन राशमी उपखण्ड प्रशाशन हरकत में नहीं आया और कोई कार्यवाही नहीं की गई। सवाल यह है कि जब अवैध गतिविधि का पहले ही खुलासा हो गया था तो समय रहते कार्यवाही क्यों नहीं हुई? अब इस सरकारी गोचर चारागाह भूमि पर हुए अन्याय को न्याय कौन और कैसे दिलाएगा? राशमी पंचायत क्षेत्र का गंदा कचरा, मृत मवेशी जिस भूमि पर डाला जा रहा है, वह सरकारी रिकॉर्ड में आराजी नम्बर 1600 दर्ज होकर गौचर चारागाह भूमि दर्ज है। हमने अपनी पड़ताल में पाया कि यह वहीं चारागाह भूमि है, जिस पर पंचायत सरपंच, सचिव और अन्य कर्मचारियों, राजनैतिक संरक्षण और आपसी मिलीभगत के चलते उक्त चारागाह भूमि पर कचरा डंपिंग ग्राउंड बनाकर, अवैध अतिक्रमण कर, अवैध निर्माण किया जा रहा है। जिससे राशमी में मातृकुंडिया बांध से बहने वाली

बनास नदी भी मैली होती जा रही है।

बनास नदी में चारागाह भूमि पर सड़क-ड्रेनेज, करोड़ों का अवैध सौदा

बनास नदी मुहाने पर सरकारी नदी, चरागाह भूमि पर सड़क और ड्रेनेज डालकर, किनारे पर पूरी पंचायत क्षेत्र का कचरा डंपिंग करके, पहले तारबंदी की गई, सीमेंट के खंभे लगाए गए, नींव खोदकर बजरी का दोहन किया गया, और अब वहां अवैध दीवार बनाकर पक्का निर्माण किया जा रहा है। सूत्रों की माने तो आराजी 1600 के आस पास चारागाह क्षेत्र है जिस पर अन्य कई लोगों ने कब्जा जमाया हुआ है। कॉलोनी और बड़े होटल रेस्टोरेंट बनाए जा रहे है। जिसमें करोड़ों रुपयों के भ्रष्टाचार की बु आ रही है। इसकी समस्त जानकारी प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों को भी है लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

अतिरिक्त कलेक्टर और राजस्थान संपर्क पोर्टल पर शिकायत, कार्रवाई के नाम पर शून्य, उपखंड स्तर के अधिकारीयो के कदम डगमगाए

बनास नदी किनारे चारागाह भूमि पर हुए अवैध निर्माण, अवैध खनन, अवैध कचरा डंपिंग यार्ड को लेकर राजस्थान संपर्क पोर्टल और अतिरिक्त कलेक्टर प्रभा गौतम को शिकायत की गई। कार्यवाही करने को लेकर एसडीएम को जापे के साथ कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए किंतु उपखंड स्तर के अमले ने मौके पर कोई कार्रवाई नहीं की। मौके पर न तो पुलिस बल सक्रिय दिखा और न ही उपखंड अधिकारी निर्णायक रुख अपना सके। अंततः प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई ना करना और राजनैतिक संरक्षण की बदौलत चरागाह भूमि पर अवैध निर्माण ने आग में घी का काम किया और अवैध निर्माण जारी रहा, मानो यू लगा की अतिक्रमी चीख चीख कर कह रहा की करना जो कर लो हमें कोई नहीं रोक सकता। स्थानीय लोगों का कहना है कि बनास नदी के किनारे चारागाह भूमि पर अतिक्रमण, अवैध निर्माण, गंदगी डालने से बनास नदी मैली हो रही है। गौचर भूमि पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है, लेकिन प्रशासन इस ओर सख्त कदम नहीं उठा रहा है।

चित्तौड़गढ़ एनएसयूआई ने चेतावनी देते हुए मांग की है कि बनास नदी किनारे स्थित चरागाह भूमि से अवैध कब्जा तुरंत हटाया जाए और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, अन्यथा व्यापक आंदोलन किया जाएगा।

फटे पुराने कपड़ों की गांठों के बीच मिली 70 लाख रु की अवैध शराब

स्मार्ट हलचल|सिरोही

सिरोही जिले में शराब तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत मंडार पुलिस थानाधिकारी प्रवीण कुमार आचार्य की अगुवाई में पुलिस टीम द्वारा नाकाबंदी की गई थी। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने वहां से गुजर रहे एक ट्रक को रुकवाकर तलाशी ली, तो उसमें फटे पुराने कपड़ों की गांठों के नीचे छिपाकर रखी गई पंजाब निर्मित अंग्रेजी शराब के विभिन्न ब्रांड के 729 कार्टन पाए गए। यह शराब सप्लाई के लिए गुजरात ले जाई जा रही थी। आवश्यक कार्रवाई के बाद शराब एवं ट्रक को जब्त कर लिया गया। इस मामले में ट्रक चालक खारिया, पुलिस थाना चोहटन, जिला बाड़मेर निवासी रईस पुत्र साले मोहम्मद तथा खलासी पराडिया, पुलिस थाना चोहटन, जिला बाड़मेर निवासी जुनुसखान पुत्र जुमाखान को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों से पूछताछ कर और जानकारियां जुटाई जा रही हैं। पकड़ी गई शराब की कीमत करीब 70 लाख रुपए बताई गई है। कार्रवाई में मंडार पुलिस थाना के उपनिरीक्षक फगलूराम (विशेष भूमिका), कांस्टेबल कुलदीप सिंह, सोहनलाल, आसूराम, हनुमान पूनिया एवं आरएसी कांस्टेबल सुरेश कुमार शामिल रहे। जिले में शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस द्वारा बीते 6 माह में 26 बड़ी कार्रवाइयां की गई हैं। इसमें शराब के 5680 कार्टन जब्त कर 14 ट्रक एवं 12 छोटे वाहन जब्त किए गए हैं। यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

हिंदू सम्मेलन के लिए तैयारी पूरी हुई कोरा गांव से दासपां गांव तक वाहन रैली-एडवोकेट श्रवण सिंह

स्मार्ट हलचल

कोरा दासपा गांव में हर घर संपर्क, पीले चावल व वाहन रैली का संकल्प। एडवोकेट श्रवण सिंह दासपां ने बताया कि कोरा दासपां मंडल में आगामी 31 जनवरी को आयोजित होने वाले विराट हिंदू सम्मेलन की तैयारियों को लेकर कोरा गांव में रविवार को एक महत्वपूर्ण धर्म सभा एवं तैयारी के लिए बैठक का आयोजन किया गया यह बैठक श्री कवलेश्वर महादेव मंदिर कोरा में संपन्न हुई, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे बैठक में सम्मेलन की तैयारियों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के लिए गांवो की अलग-अलग टोलियां गठित कर कार्यकर्ताओं को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गई।

साथ ही प्रचार-प्रसार को गति देने एवं समाज में जागरूकता फैलाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई श्रवण सिंह ने बताया कि बैठक में यह निर्णय लिया गया कि 27 जनवरी को दासपां, कोरा, रुचियार एवं नवापुरा चौपावतान एवं आसपास के गांवों में भगवा ध्वज की अगुवाई में विशाल वाहन रैली निकाली जाएगी यह वाहन रैली गांवों के प्रमुख चौराहों से होकर गुजरेगी और 31 जनवरी को दासपां के चामुंडा माता मंदिर में आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन का संदेश घर-घर तक पहुंचाने के साथ ही समाज में उत्साह और एकता का संचार करेगी एवं विराट हिंदू सम्मेलन में संतों का पावन मार्गदर्शन प्राप्त होगा सम्मेलन में सिरोही के मंडवारिया मठ के महंत पूज्य संत श्री तीर्थगिरी जी महाराज मुख्य वक्ता के रूप में धर्मोपदेश देंगे वहीं दूधेश्वर महादेव मठ, पादरा के महंत पूज्य चेतनगिरी जी महाराज तथा निंबार्काचार्य पीठ, दासपां ठाकुर द्वारा के महंत पूज्य किशनदास जी महाराज का पावन सान्निध्य भी प्राप्त होगा। संतों के दर्शन, मार्गदर्शन और आशीर्वाद हेतु हजारों श्रद्धालुओं के सम्मेलन में पहुंचने की संभावना जताई गई।

बैठक में वक्ताओं ने सभी समाजजनों से सपरिवार सम्मेलन में शामिल होने का आग्रह किया। साथ ही आरएसएस के शताब्दी वर्ष के तहत देशभर में हो रहे आयोजनों की श्रृंखला में दासपां के इस सम्मेलन को धर्म, संस्कृति और सामाजिक एकता का सशक्त प्रतीक बनाने पर जोर दिया गया।

बैठक के दौरान सम्मेलन की व्यापक तैयारियों की समीक्षा की गई तथा अधिक से अधिक समाजजन की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए आर्थिक सहयोग, वाहन रैली, जनसंपर्क अभियान, घर-घर व्यक्तिगत निमंत्रण, पीले चावल बांटने एवं मातृशक्ति को जागृत कर उन्हें आयोजन से जोड़ने जैसे महत्वपूर्ण कार्यों की जिम्मेदारियां तय की गईं।

अंत में सभी उपस्थित समाजजनों ने एकमत होकर संकल्प लिया कि सनातन धर्म की चेतना को सशक्त करने और समाज को एक सूत्र में पिरोने के उद्देश्य से जनसंपर्क अभियान को और तेज किया जाएगा। बैठक में यह भी बताया गया कि यह विराट हिंदू सम्मेलन चामुंडा माता जी मंदिर की प्रथम वर्षी के पावन अवसर पर आयोजित हो रहा है, जिससे आयोजन का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व और अधिक बढ़ जाता है।

'हारे का सहारा बाबा श्याम हमारा' के जयकारों से गूंजा ट्रांसपोर्ट नगर

श्याम नाम की धूम, देर रात तक चला भजनोत्सव

'श्याम धणी म्हाने दर्शन देजो ', 'बाबा श्याम बुला ले रे '

स्मार्ट हलचल| कोटा

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर शहर में श्रद्धा, भक्ति और संगीत से सराबोर भव्य श्री श्याम महोत्सव एवं भजन संध्या का आयोजन 25 जनवरी की रात्रि अनंतपुरा स्कीम स्थित स्काई पार्क मल्टी के समीप, ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में किया गया। जैसे ही 'श्याम तेरे भगतों को तेरा ही सहारा है ', 'हे दुख भंजन ', 'कन्हैया की दीवानी ', 'मेरी झोपड़ी के भाग खुल जाएंगे ', 'खाटू वाले श्याम तेरी जय हो ', 'श्याम धणी म्हाने दर्शन देजो ', 'बाबा श्याम बुला ले रे' और 'हारे का सहारा बाबा श्याम हमारा' जैसे प्रसिद्ध भजन गूंजे, पूरा परिसर भक्तिरस से ओतप्रोत हो गया। श्रद्धालु तालियों और जयकारों के साथ भजनों की धुन पर झूमते नजर आए।

आयोजन संयोजक पंकज बजाज ने बताया कि कार्यक्रम श्री श्याम मित्र मंडल संस्था के सानिध्य में संपन्न हुआ, जिसका उद्देश्य बाबा श्याम की भक्ति, सेवा और समर्पण की भावना को जन-जन तक पहुंचाना रहा। आयोजन स्थल पर बाबा श्याम का भव्य दरबार हजारों सुगंधित पुष्पों से सजाया गया। दिल्ली से मंगाए गए विशेष फूलों तथा 41 किलो फलों से श्रृंगार किया गया। साथ ही बाबा को 56 भोग अर्पित किए गए, जिससे वातावरण पूर्णतः भक्तिमय बन गया।

कार्यक्रम में देश के सुप्रसिद्ध भजन गायक कुमार गिरिराज शरण (जयपुर), आरती माली (इंदौर) तथा पंकज म्यूजिकल ग्रुप ने अपनी सुमधुर एवं भावपूर्ण प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। भजनों की भावपूर्ण प्रस्तुति पर श्रद्धालु भाव-विभोर होकर बाबा श्याम के जयकारे लगाते रहे।

श्रद्धालु देर रात तक भजनों का आनंद लेते रहे। आयोजन में आशीष अग्रवाल, मयंक जैन, लाकेश अग्रवाल, जतिन, हरिश बजाज, राजेश गोयल, कमल अग्रवाल, अंकित अग्रवाल, दीपक अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

दस हजार किलो अवैध विस्फोटक सामग्री के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

नागौर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

स्मार्ट हलचल| थांवला

कस्बे अवैध विस्फोटक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध नागौर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में अवैध विस्फोटक सामग्री जब्त की एवं एक आरोपी को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने ग्राम थाटा के नजदीक सरहद हरसौर पर स्थित एक खेत में बने मकान से करीब 10 हजार किलो अमोनियम नाइट्रेट जब्त किया गया।

मामले में आरोपी सुलेमान खां को मौके से गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने आरोपी को नागौर ड्यूटी मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया, जहां से उसे 4 दिन के रिमांड पर पुलिस को सौंप दिया गया। पुलिस अधीक्षक

मृदुल कच्छावा ने प्रेस ब्रीफिंग में पूरे मामले की जानकारी दी। एसपी ने बताया कि आरोपी ने अपने खेत में बने मकान में विस्फोटक छुपा कर रखा था। मकान से अवैध विस्फोटक सामग्री की 187 कट्टों में अमोनियम नाइट्रेट करीब 9550 किलोग्राम, 9 कार्टन डेटोनेटर, 12 कार्टन व 15 बंडल नीली बत्ती वायर, 12 कार्टन व 5 बंडल लाल बत्ती वायर, 5 कार्टन व एक नग बड़े गुल्ले, 25 कार्टन छोटे गुल्ले, 10 कार्टन व 1 कट्टा डुडेट, 1 लकड़ी का कार्टन व 6 पैकेट एपी एसएमडी विस्फोटक सामग्री जब्त की गई। आरोपी के विरुद्ध पूर्व में भी तीन प्रकरण दर्ज हैं। मामले में जिला स्पेशल टीम नागौर एवं थाना थांवला पुलिस टीम ने शानदार कार्रवाई की। पुलिस ने बीएनएस की धारा 5/9 बी विस्फोटक अधिनियम 188 4, 5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम 1908 व 112 (2), 288 के तहत मामला दर्ज किया है। मामले की जांच थानाधिकारी अशोक कुमार झाझड़िया कर रहे है।

तेज रफ्तार कार पहले ठेले से टकराई फिर नाश्ता कर रहे दो लोगो को कुचला, 150 मीटर दूर जाकर पलटी, अक्रोशित लोगो ने किया रास्ता जाम

स्मार्ट हलचल|उदयपुर

शहर के अंबामाता थाना क्षेत्र में रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। तेज रफ्तार वर्ना कार पहले एक ठेले से टकराई और फिर पास खड़े होकर नाश्ता कर रहे दो लोगों को कुचलते हुए करीब 150 मीटर आगे जाकर पलट गई। यह हादसा रविवार सुबह करीब 7 बजे बैंक ऑफ बड़ौदा के सामने हुआ। पुलिस के अनुसार टक्कर इतनी जोरदार थी कि चाय-नाश्ते का ठेला करीब 20 फीट दूर जाकर गिरा। हादसे में छीपा कॉलोनी निवासी अब्दुल मजीद (70) और मोहम्मद इमरान (35) की मौत हो गई। दोनों पेशे से टेलर थे और रोज की तरह सुबह चाय-नाश्ता करने ठेले पर आए थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, तेज रफ्तार वर्ना कार ने पहले ठेले को टक्कर मारी और उसके बाद दोनों लोगों को चपेट में ले लिया। हादसे के बाद कार अनियंत्रित होकर करीब 150 मीटर आगे जाकर पलट गई।

हादसे में दो और लोग घायल हुए हैं। जिन्हें एमबी हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है। घटना के बाद आरोपी ड्राइवर मौके से फरार हो गया। हादसे से गुस्साए लोगों ने सड़क पर जाम लगा दिया और जमकर विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस की समझाइश के बाद लोगों ने जाम खोला। पुलिस ने कार में बैठे 2 लोगों को डिटेन किया है। पुलिस की समझाइश के बाद रास्ता खुलवाया गया। उसके बाद बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग और परिजन एमबी हॉस्पिटल पहुंचकर प्रदर्शन करने लगे। इस पर शहर विधायक ताराचंद जैन ने मृतकों के परिजनों की सभी मांगों को मानने का आश्वासन दिया। इसके बाद धरना समाप्त किया गया और मृतकों का पोस्टमॉर्टम किया गया।

श्री देवनारायण भगवान के 1114वें जन्मोत्सव पर तीन दिवसीय कार्यकम का समापन

स्मार्ट हलचल|भीलवाड़ा

गाडरी (पुर्बिया) समाज भीलवाडा द्वारा श्री देवनारायण भगवान के 1114 वे जन्मोत्सव पर तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

विशाल रक्तदान शिविर

गाडरी (पूर्विया) समाज भीलवाडा द्वारा रक्तदान का आयोजन किया गया शिविर, 18 जनवरी, 2026 रविवार श्री भारभुजा नाथ मन्दिर, विलिया खुर्द भीलवाडा, रामस्नेही ब्लड बैंक टीम द्वारा किया गया कार्यक्रम में 198 यूनिट रक्तदान किया गया कार्यक्रम में समाज की महिलाओं ने रक्तदान शिविर में पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और युवा साथियों की भागीदारी बढ-चढकर थी।

भजन संध्या का आयोजन

दिनांक 24 जनवरी 2026 शनिवार रात्रि को श्री देवनारायण मन्दिर, गाडरी खेडा, गाँधीनगर भीलवाडा में रात्रि 12.00 बजे केक काटकर जन्मोत्सव मनाया गया और जागरण व भजन संध्या हुई।

शोभायात्रा एवं विशाल वाहन रैली

दिनांक 25 जनवरी, 2026 रविवार प्रातः 11.00 बजे का आयोजन जो कि श्री देवनारायण मंदिर गाडरी खेडा, गाँधीनगर से शुरू होकर शनिदेव मन्दिर, अहिल्या बाई होलकर चौराया, गंगापुर चौराहा, रेल्वे फाटक, मुरली विलास रोड, राजेन्द्र मार्ग रोड, सिटी कोतवाली चौराहा, सूचना केन्द्र चौराहा, अम्बेडकर सकल, सेशन कोर्ट चौराहा, कलक्ट्री से अजमेर पुलिया, खंडेश्वर महाराज मन्दिर, इंण्डिया गेट पुनः श्री देवनारायण मन्दिर, गाडरी खेडा, गाँधीनगर पर शोभा यात्रा एवं विशाल वाहन रैली सम्पन्न हुई। कार्यकम में इस अवसर पर आयोजक श्री देवनारायण सेवा समिति के अध्यक्ष राधेश्याम गाडरी, संयोजक कैलाश गाडरी, रैली में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक विठ्ठल शंकर अवस्थी, वशिष्ठ अतिथि रितेश गुर्जर उपस्थित रहें। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ जन नारायण लाल हाडा, शंकर लाल मोयल, शंकर रियार, व युवा कार्यकर्ता भेरू लाल मोयल, राधेश्याम मोयल, नन्द लाल मोयल, रमेश मोयल, घीसू मोयल, देबी लाल गाडरी, महेन्द्र गाडरी, राजू गाडरी, राधेश्याम गाडरी, निखलेश गाडरी, दलीचन्द गाडरी, बनवारी गाडरी, पूरण गाडरी, उक्त शोभा यात्रा एवं वाहन रैली का मुख्य आकर्षक केन्द्र, अखाडा प्रदर्शन बैंड बाजा, घोडा व ढोल नगाडों के साथ श्री देवनारायण भगवान के जयघोष लगाते हुऐ समाज के असंख्य लोगों ने भाग लिया जिसमें समाज महिलाओं ने भारी संख्या में भाग लिया और युवा साथियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया।

अजमेर शरीफ दरगाह में बसंत की रस्म, शामिल हुए सैकड़ों श्रद्धालु

स्मार्ट हलचल

अजमेर। अजमेर शरीफ़ स्थित ख़्वाजा ग़रीब नवाज़ की दरगाह में परंपरागत बसंत की रस्म श्रद्धा, आस्था और आपसी सौहार्द के माहौल में अदा की गई। यह आयोजन हजरत सज्जादानशीन साहब के जानशीन हजरत सैयद नसीरुद्दीन चिश्ती साहब की सदारत में सम्पन्न हुआ, जिसमें गंगा-जमुनी तहज़ीब की झलक साफ़ तौर पर देखने को मिली।

बसंत की रस्म के दौरान दरगाह के निज़ाम गेट से मौरूसी क़व्वालों ने हाथों में बसंत का गड़बा लेकर बसंती कलाम पढ़ते हुए आस्तान-ए-शरीफ़ की ओर जुलूस के रूप में प्रस्थान किया। पूरे रास्ते सूफियाना कलाम और बसंत की रौनक से माहौल सराबोर रहा। आस्तान-ए-शरीफ पहुंचने पर हजरत सैयद नसीरुद्दीन चिश्ती साहब ने ख्वाजा गरीब नवाज के मजार पर बसंत पेश की।

इस अवसर पर अपने संबोधन में हजरत सैयद नसीरुद्दीन चिश्ती साहब ने कहा कि अजमेर शरीफ दरगाह में अदा की जाने वाली बसंत की रस्म भारत की गंगा-जमुनी तहजीब का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यहां विभिन्न धर्मों और मजहबों के लोग प्रेम, भाईचारे और आपसी सम्मान के साथ एक-दूसरे की परंपराओं को निभाते हैं। भारत की संस्कृति और परंपराएँ सदियों से समाज को जोड़ने का कार्य करती आ रही हैं और सामाजिक सौहार्द को मज़बूती प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि सूफी संतों और बुजुर्गों ने मोहब्बत, अमन और इंसानियत का जो पैग़ाम दिया, वही संदेश आज भी दरगाहों के माध्यम से आगे बढ़ रहा है। बसंत जैसे आयोजन उन ताक़तों को स्पष्ट संदेश देते हैं, जो धर्म के न ाम पर नफ़रत फैलाने की कोशिश करते हैं। हजरत सैयद नसीरुद्दीन चिश्ती ने कहा कि हिंदुस्तान एक अनमोल माला की तरह है, जिसमें विभिन्न धर्मों और संस्कृतियों के मोती पिरोए गए हैं और यही विविधता देश को विश्व पटल पर एक अलग पहचान दिलाती है। अंत में उन्होंने कहा कि पिछले लगभग 800 वर्षों से अजमेर शरीफ दरगाह मोहब्बत, भाईचारे और इंसानियत का पैगाम देती आ रही है और आगे भी यह दरगाह इसी संदेश के साथ समाज को जोड़ने का कार्य करती रहेगी।

शौर्य का सम्मानः गणतंत्र दिवस पर राजस्थान गृह रक्षा विभाग के दो अधिकारियों को राष्ट्रपति पदक की घोषणा

उप समादेष्टा घनश्याम सिंह कल होंगे राष्ट्रपति के सराहनीय सेवा पदक से सम्मानित

स्मार्ट हलचल|जयपुर

गणतंत्र दिवस 2026 का अवसर राजस्थान के गृह रक्षा विभाग (होमगार्ड्स) के लिए दोहरी खुशी और गर्व लेकर आया है। विभाग के दो अधिकारियों को उनकी दीर्घकालीन, निष्ठावान और उत्कृष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति सराहनीय सेवा पदक की घोषणा की गई है, वहीं एक अधिकारी को कल जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय समारोह में राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागड़े द्वारा यह पदक प्रदान कर अलंकृत किया जाएगा।

उप समादेष्टा घनश्याम सिंह होंगे सम्मानित

गृह रक्षा विभाग के उप समादेष्टा श्री घनश्याम सिंह को राष्ट्रपति का सराहनीय सेवा पदक राज्य स्तरीय समारोह में महामहिम राज्यपाल द्वारा प्रदान किया जाएगा। श्री सिंह का करियर बेहद साहसिक रहा है; उन्होंने ऑपरेशन पराक्रम में हिस्सा लिया और बिहार के नक्सल प्रभावित गया एवं बांका जिलों में लोकसभा चुनाव के दौरान सफलतापूर्वक कंपनी का नेतृत्व किया। वे पूर्व में महानिदेशक प्रशस्ति डिस्क से भी सम्मानित हो चुके हैं।

नारणाराम एवं श्री रामकिशोर के लिए राष्ट्रपति पदक की घोषणा

गृह रक्षा विभाग के कम्पनी कमांडर श्री नारणाराम (तत्कालीन प्लाटून कमांडर) सीमा गृह रक्षा दल, बाड़मेर तथा श्री रामकिशोर, प्लाटून कमांडर, गृह रक्षा प्रशिक्षण केंद्र, टोंक को गृह रक्षा संगठन में दीर्घकालीन, निष्ठावान एवं उत्कृष्ट सेवाओं के लिए महामहिम राष्ट्रपति महोदय द्वारा सराहनीय सेवा पदक प्रदान किए जाने की घोषणा की गई है। इन दोनों अधिकारियों को पदक आगामी निर्धारित अवसर पर प्रदान किया जाएगा। नारणाराम ने अपने सेवाकाल में भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा के मोर्चे से लेकर कारगिल युद्ध के दौरान कठिन ऑपरेशनल ड्यूटी तक में अदम्य साहस का परिचय दिया। चुनाव ड्यूटी, कानून-व्यवस्था, प्रशिक्षण और पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में उनके संगठनात्मक अनुशासन और समर्पण को देखते हुए महामहिम राष्ट्रपति द्वारा इस पदक की घोषणा की गई है। प्लाटून कमांडर श्री रामकिशोर ने पूरे सेवाकाल के दौरान उत्कृष्ट नेतृत्व क्षमता और परिणामोन्मुख कार्यशैली का उदाहरण पेश किया है। कर्तव्य के प्रति अटूट निष्ठा और विभाग में उनके महत्वपूर्ण योगदान के कारण उन्हें इस सम्मान के लिए चुना गया है।

एसमएस स्टेडियम में सजेगा शौर्य का मंच

26 जनवरी 2026 की सुबह सवाई मानसिंह स्टेडियम में जब पुलिस के जांबाजों के साथ गृह रक्षा विभाग के ये अधिकारी भी मंच पर होंगे, तो यह प्रदेश की आंतरिक सुरक्षा में उनके योगदान को एक नई पहचान देगा। यह सम्मान न केवल इन अधिकारियों की व्यक्तिगत सफलता है, बल्कि राजस्थान होम गार्ड्स के हर उस स्वयंसेवक और अधिकारी का सम्मान है जो विपरीत परिस्थितियों में देश की सेवा में डटा रहता है।

गणतंत्र दिवस परेडः इतिहास, परंपरा और भारत की रणनीतिक विदेश नीति का जीवंत मंच

स्मार्ट हलचल

26 जनवरी, भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का वह स्वर्णिम दिन, जब 1950 में देश ने स्वयं को एक संप्रभु, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित किया। इस ऐतिहासिक क्षण को जन-जन तक पहुंचाने, राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने और विश्व के समक्ष भारत की शक्ति, संस्कृति व संकल्प को प्रदर्शित करने का सबसे प्रभावी माध्यम बनी, गणतंत्र दिवस परेड।

यह परेड केवल एक सैन्य या सांस्कृतिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह भारत की राजनीतिक चेतना, कूटनीतिक सोच और सामरिक शक्ति का सजीव प्रदर्शन है। इसकी यात्रा इर्विन स्टेडियम (आज का मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम) से शुरू होकर राजपथ और अब कर्तव्य पथ तक पहुंची, और इसी यात्रा में भारत की विदेश नीति भी परिपक्व होती चली गई।

26 जनवरी 1950 को जब भारत का संविधान लागू हुआ, तब देश नवस्वतंत्र था, संसाधन सीमित थे और प्राथमिकता थी। लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करना। उस समय गणतंत्र दिवस परेड का आयोजन नई दिल्ली के इर्विन स्टेडियम में किया गया, जो ब्रिटिश काल में खेल आयोजनों और औपचारिक समारोहों का प्रमुख स्थल था।

1950 से 1954 तक गणतंत्र दिवस समारोह यहीं आयोजित हुए, जिसमें राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता था और सीमित सैन्य टुकड़ियां और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होती थीं।

आयोजन का स्वरूप सादगीपूर्ण लेकिन भावनात्मक रूप से अत्यंत प्रभावशाली था।

यह दौर भारत की आंतरिक स्थिरता और संविधानिक पहचान को मजबूत करने का था, न कि बाहरी दुनिया को शक्ति प्रदर्शन दिखाने का।

1955 में पहली बार गणतंत्र दिवस परेड को राजपथ (तत्कालीन किंग्सवे) पर आयोजित किया गया। यह बदलाव मात्र स्थान परिवर्तन नहीं था, बल्कि यह भारत की बदलती राजनीतिक और कूटनीतिक सोच का संकेत था।

राजपथ ब्रिटिश सत्ता का प्रतीक रहा था, जहां से वायसराय भारत पर शासन का संदेश देता था। स्वतंत्र भारत ने उसी मार्ग को अपनाकर यह स्पष्ट कर दिया कि, अब सत्ता जनता के संविधान से निकलती है, न कि औपनिवेशिक हुक्मरानों से।

राष्ट्रपति भवन से इंडिया गेट तक सीधा मार्ग

सत्ता, बलिदान और लोकतंत्र का त्रिकोण, भारत की सैन्य शक्ति और सांस्कृतिक विविधता के प्रदर्शन के लिए आदर्श मंच। यहीं से गणतंत्र दिवस परेड ने विश्व मंच पर भारत की पहचान गढ़नी शुरू की।

1950 में भारत के पहले गणतंत्र दिवस के मुख्य अतिथि थे। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुकर्णो। यह कोई संयोग नहीं था। भारत नवस्वतंत्र एशियाई देशों को एकजुट करना चाहता था। उपनिवेशवाद के खिलाफ साझा संघर्ष का संदेश देना चाहता था, गुटनिरपेक्ष आंदोलन की नींव रखी जा रही थी।

यहीं से यह परंपरा स्थापित हुई कि मुख्य अतिथि का चयन भारत की विदेश नीति का स्पष्ट संकेत होगा। 1950-1990 के दौर में भारत ने स्वयं को अमेरिका और सोवियत संघ के बीच संतुलन में रखा। सोवियत संघ, यूगोस्लाविया, मिस्र जैसे देशों के नेता आमंत्रित हुए। गुटनिरपेक्ष आंदोलन को मजबूती मिली, जिससे एशिया-अफ्रीका एकजुटता का संदेश गया। अमेरिका, फ्रांस, जापान जैसे देशों के राष्ट्राध्यक्ष मुख्य अतिथि बने

व्यापार, तकनीक और रक्षा सहयोग पर जोर बढ़ा

भारत को उभरती आर्थिक शक्ति के रूप में प्रस्तुत किया गया।

इस प्रकार गणतंत्र दिवस परेड का मुख्य अतिथि भारत की कूटनीतिक प्राथमिकताओं का सार्वजनिक घोषणापत्र बन गया।

गणतंत्र दिवस परेड भारत की सैन्य क्षमता और आत्मनिर्भरता का सबसे बड़ा मंच है।

थलसेना, नौसेना, वायुसेना की टुकड़ियां

स्वदेशी हथियार प्रणाली, मिसाइलें, टैंक, रडार, ड्रोन 'मेक इन इंडिया' रक्षा उत्पाद

यह प्रदर्शन केवल देशवासियों के लिए नहीं, बल्कि दुनिया और संभावित शत्रुओं के लिए भी स्पष्ट संदेश होता है।

भारत शांति चाहता है, लेकिन अपनी रक्षा में पूरी तरह सक्षम है।

राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ किया जाना केवल शब्दों का परिवर्तन नहीं था, बल्कि यह औपनिवेशिक मानसिकता से पूर्ण मुक्ति

अधिकार से कर्तव्य की ओर राष्ट्र की सोच

नागरिकों और शासन दोनों के दायित्व पर बल

कर्तव्य पथ पर आयोजित परेड नए भारत की आत्मछवि को दर्शाती है। आत्मनिर्भर, सशक्त और जिम्मेदार।

एक भारत, श्रेष्ठ भारत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की झांकियां। विविधता में एकता का जीवंत प्रदर्शन, लोक संस्कृति, परंपरा और विकास का संगम। राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने का माध्यम। यह भारत की सॉफ्ट पावर डिप्लोमेसी का अहम हिस्सा है।

यदि गहराई से देखा जाए तो यह परेड, भारत की विदेश नीति का संकेतक, सैन्य शक्ति का सार्वजनिक परीक्षण, राष्ट्रीय पहचान का उत्सव लोकतंत्र का जीवंत पाठ है।

इर्विन स्टेडियम से कर्तव्य पथ तक की यात्रा केवल भौगोलिक नहीं, बल्कि वैचारिक, राजनीतिक और कूटनीतिक यात्रा है। गणतंत्र दिवस परेड आज उस भारत का आईना है। जो अपने अतीत से सीखता है, वर्तमान में आत्मविश्वासी है और भविष्य के लिए रणनीतिक रूप से सजग।

यह परेड हमें हर वर्ष याद दिलाती है कि गणतंत्र केवल शासन व्यवस्था नहीं, बल्कि निरंतर निभाया जाने वाला राष्ट्रीय कर्तव्य है।

लेखक स्वतंत्र पत्रकार

तिरंगा फहराने से पहले जरूरी खास बातें

तिरंगा भारत के राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। सभी के मार्गदर्शन और हित के लिए भारतीय ध्वज संहिता-2002 में सभी नियमों, रिवाजों, औपचारिकताओं और निर्देशों को एक साथ लाने का प्रयास किया गया है। ध्वज संहिता-भारत के स्थान पर भारतीय ध्वज संहिता-2002 को 26 जनवरी 2002 से लागू किया गया है। यह है तिरंगा फहराने का सही तरीका -

- जब भी तिरंगा फहराया जाए तो उसे सम्मानपूर्ण स्थान दिया जाए। उसे ऐसी जगह लगाया जाए, जहां से वह स्पष्ट रूप से दिखाई दे।
- सरकारी भवन पर तिरंगा रविवार और अन्य छुट्टियों के दिनों में भी सूर्योदय से सूर्यास्त तक फहराया जाता है, विशेष अवसरों पर इसे रात को भी फहराया जा सकता है।
- तिरंगे को सदा स्फूर्ति से फहराया जाए और धीरे-धीरे आदर के साथ उतारा जाए। फहराते और उतारते समय बिगुल बजाया जाता है तो इस बात का ध्यान रखा जाए कि तिरंगे को बिगुल की आवाज के साथ ही फहराया और उतारा जाए।
- तिरंगे का प्रदर्शन सभा मंच पर किया जाता है तो उसे इस प्रकार फहराया जाएगा कि जब वक्ता का मुंह श्रोताओं की ओर हो तो तिरंगा उनके दाहिने ओर हो।
- जब तिरंगा किसी भवन की खिड़की, बालकनी या अगले हिस्से से आड़ा या तिरछा फहराया जाए तो तिरंगे को बिगुल की आवाज के साथ ही फहराया और उतारा जाए।
- तिरंगा किसी अधिकारी की गाड़ी पर लगाया जाए तो उसे सामने की ओर बीचोंबीच या कार के दाईं ओर लगाया जाए।
- फटा या मैला तिरंगा नहीं फहराया जाता है।
- जब तिरंगा फट जाए या मैला हो जाए तो उसे एकांत में पूरा नष्ट किया जाए।
- तिरंगा केवल राष्ट्रीय शोक के अवसर पर ही आधा झुका रहता है।
- किसी दूसरे झंडे या पताका को राष्ट्रीय तिरंगे से ऊंचा या ऊपर नहीं लगाया जाएगा, न ही बराबर में रखा जाएगा।
- तिरंगे पर कुछ भी लिखा या छपा नहीं होना चाहिए।

26 जनवरी की परेड

26 जनवरी की परेड राजपथ के राष्ट्रपति भवन से इंडिया गेट तक मार्च करती है। चलिये अब मैं आपको इस परेड की कुछ खासियत बताता हूँ सबसे पहले, राष्ट्रपति राष्ट्रीय ध्वज को फहराते है। जिसके साथ ही भारत का राष्ट्रीय गान बजाया जाता है, और एक 21-तोपों की सलामी दी जाती है।

राष्ट्रपति क्षेत्र में अपने असाधारण साहस के लिए सशस्त्र बलों से लोगों को बहादुरी के पदक प्रदान करने के लिए आगे आते हैं और जिन्होंने अलग-अलग परिस्थितियों में वीरता के अपने अलग-अलग कार्यों से खुद को प्रतिष्ठित किया है, उनको पुरस्कार से नवाजते हैं। इसके बाद सेना, नौसेना और वायु सेना की कई रेजिमेंटों के साथ उनके बैंड के साथ मार्च किया जाता है, जिसकी प्रैक्टिस यह सेना न जाने कितने समय पहले से करती हैं। उसके उपरांत विभिन्न राज्यों की झांकी उनकी संस्कृति को प्रदर्शित करती हुई उसी राजपथ से निकलती हैं।

एक बीटिंग रिट्रीट समारोह परेड के अंत का प्रतीक है। परेड पारंपरिक रूप से सशस्त्र बलों और नागरिक सुरक्षा सेवाओं की मोटरसाइकिल इकाइयों और भारतीय वायु सेना के जेट विमानों और हेलीकॉप्टर द्वारा एक फ्लाईपास्ट की हिम्मत शैतान मोटर साइकिल की सवारी के प्रदर्शन के साथ समाप्त होती है। हर साल 23 जनवरी को फुल ड्रेस रिहर्सल परेड का आयोजन किया जाता है। यदि आप परेड देखना चाहते हैं तो आप भी टिकट खरीद कर परेड देखने के लिए 26 जनवरी को लाल किला जा सकते हैं, यकीनन ही आपको बहुत आनंद आएगा।

प्रत्येक इंसान का हर काम को करने का अपना एक तरीका होता है, ठीक इसी तरह से त्योहार भी हम अपने ढंग से मनाना पसंद करते हैं। कुछ लोगों को नए कपड़े और मिठाई खाना पसंद है, तो वही कुछ लोग त्योहार को अपने दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ मनाना पसंद करते हैं, वहीं कुछ तो इसे एक आम दिन की तरह ही व्यतित करते हैं। क्योंकि गणतंत्र दिवस एक राष्ट्रीय त्योहार है, झण्डा फहराने, राष्ट्रीय गीत गाना, देशभक्ति गानों पर नृत्य परस्तुति, देशभक्ति गाने, गीत एवं कविताएं का हमारे देश में काफी प्रचलन है।

हमारा गणतंत्र हमारा अभिमान

भारत विविध धर्मों, आस्थाओं और संस्कृतियों का देश है और यहां हर दिन कोई न कोई त्यौहार मनाया जाता है। हर धर्म को मानने वाले लोग पूरे उल्लास के साथ अपने पर्व मनाते हैं, लेकिन कुछ त्यौहार ऐसे भी हैं, जो प्रत्येक देशवासी के लिए महत्वपूर्ण हैं और पूरे देश में सम्मान और स्नेह के साथ मनाए जाते हैं। 26 जनवरी भी एक ऐसा ही दिन है, जो देश का राष्ट्रीय पर्व है। देश का हर नागरिक चाहे वह किसी धर्म, जाति या संप्रदाय से ताल्लुक रखता हो, इस दिन को राष्ट्र प्रेम से ओतप्रोत होकर मनाता है। 26 जनवरी को पूरा देश गणतंत्र दिवस मनाएगा। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के राजपथ पर देश की सांस्कृतिक विविधता में एकता और सैन्य ताकत की झलक दिखाई देगी।

भारत एक लोकतांत्रिक देश है, और यदि आप भी मेरी ही तरह इस महान देश के नागरिक हैं तो यकीनन ही यह ज्ञात होगा कि 18 वर्ष की आयु पूर्ण होते ही भारत के प्रत्येक वर्ग के नागरिक को अपना नेता वोट देने की प्रक्रिया को फॉलो करते हुए खूद चुनने का अधिकार है और उसके उपरान्त वो नेता अपने साथ कार्यरत नेता के साथ भारत देश की जनता के विकास के लिए कार्य करते हैं।

दोस्तों, आइए आज मैं आपको देश के लोकतांत्रिक देश बनने के सफर के बारे में थोड़ी जानकारी देता हूँ, यदि आपको इतिहास विषय पसंद है तो यकीनन ही आपको 26 जनवरी का इतिहास पढ़ने में अच्छा लगेगा। 1947 में जब देश के स्वतंत्रता सेनानियों के लगातार परिश्रम से भारत को अंग्रेजों से आजादी मिली, तब सवाल खड़ा हुआ कि देश का प्रधानमंत्री किसको बनाया जाए?

हमारे भारत में राष्ट्रीय भावी प्रधानमंत्री के गद्दी लिये 1947 में ही मतदान हुआ था, तो उसी समय से भारत वासियों ने वोट देना शुरू कर दिया था। फर्क सिर्फ इतना था उन दिनों पुरुषों को ही मत देने का अधिकार था, औरते इसमें हिस्सा नहीं लेती थी। मतदान में दो काँग्रेस नेता ने हिस्सा लिया था और जब परिणाम सामने आया तो सरदार पटेल अर्थात भारत के आयरन मैन सरदार वल्लभ भाई पटेल को सर्वाधिक मत मिले। उनके बाद सर्वाधिक मत आचार्य कृपलानी को मिले थे। किन्तु गांधी जी के कहने पर सरदार पटेल और आचार्य कृपलानी ने अपना नाम वापस ले लिया और जवाहरलाल नेहरू को भारत के आजाद होने के बाद पहला प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया। 1947 से पूर्व जब भारत में अंग्रेज शासन कर रहे थे जब देश में लोकतंत्र नहीं था, और यही कारण था देश के बड़े नेता ने मिल कर सहमति से यह फैसला लिया था कि स्वतंत्र भारत को लोकतांत्रिक बनाया जाएगा। आजादी के कुछ दिन पश्चात 29 अगस्त, 1947 को संविधान सभा में डॉ बी आर की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया जिसके तहत अंबेडकर को भारत के लिए एक संविधान तैयार करने के लिए कहा गया।

संविधान पर विचार-विमर्श करते हुए, विधानसभा ने कुल 7,635 में से 2,473 संशोधनों को स्थानांतरित किया। भारत का संविधान 26 नवंबर, 1949 को बन कर तैयार हुआ और अपनाया गया था और माननीय सदस्यों ने 24 जनवरी, 1950 को इस पर अपने हस्ताक्षर किए।

284 सदस्यों ने वास्तव में संविधान पर हस्ताक्षर कर उसे अपनाया, उस दिन जब संविधान पर हस्ताक्षर किया जा रहा था तब इसे एक अच्छे शगुन के संकेत के रूप में देश की जनता के सामने इसकी व्याख्या की गई थी। भारत का संविधान 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ, और तब से भारत के सभी देशवासियों के लिए एक ही नियम और मौलिक अधिकार दिए गए और यह माना गया कि सब समान हैं और 26 जनवरी को प्रतिवर्ष हमने गणतंत्र दिवस के रूप में मनाना आरंभ कर दिया।

राष्ट्रीय पर्व होने के कारण गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर विद्यालयों, विश्वविद्यालयों एव ऑफिस में विभिन्न प्रकार 26 जनवरी पर ड्राइंग कॉम्पिटिशन का आयोजन किया जाता है, जो विद्यार्थी इच्छुक होते है वो अपने आप को हिस्सेदार के रूप में प्रस्तुत करते हैं और बढ़ चढ़ के अपने कला का प्रदर्शन करते हैं। वैसे तो महामारी ने हमे बांध के रख दिया है लेकिन एक तरफ यह भी सत्य है कि कुछ भी रुक नहीं पाया है, दुनिया अपनी तेजी से चल रही है और आगे बढ़ती जा रही है। यदि आने वाले गणतंत्र दिवस पर आपके भी विद्यालय में इस तरह का कोई कॉम्पीटीशन का आयोजन हो रहा है, और आपको अपने घर से ही पोस्टर बना के उसकी तस्वीर ऑनलाइन सोशल मीडिया के माध्यम से अपने शिक्षक के साथ शेयर कर दिखाना है तो आप नीचे दिए गए इमेज कि मदद ले सकते हैं और यकीनन ही आप कोई स्थान भी प्राप्त कर सकते हैं।

पहला गणतंत्र दिवस परेड 26 जनवरी 1950 को आयोजित किया गया था, जिसमें उस समय के इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुकर्णो मुख्य अतिथि के रूप में आए थे। उस परेड के फ्लाईपास्ट में हार्वर्ड, समेकित बी -24 लिबरेटर्स, डकोटा, हॉकर टेम्पेस्ट, स्पिटफायर और जेट विमानों जैसे विमान शामिल थे और कुल मिला कर सौ से अधिक विमान उस परेड में शामिल थे। दिल्ली गणतंत्र दिवस परेड भारत में गणतंत्र दिवस समारोह को चिह्नित करने वाली सबसे बड़ी और सबसे महत्वपूर्ण परेड है। परेड हर साल 26 जनवरी को राजपथ, नई दिल्ली में होती है। दोस्तों राष्ट्रीय त्योहार होने के कारण यह बहुत बड़े लेवल पर भारत में मनाया जाता है और गणतंत्र दिवस समारोह में परेड एक मुख्य आकर्षण का हिस्सा है, जो 3 दिनों तक चलता है।

वंदे मातरम की अमर कहानी

वन्दे मातरम!
सुजलाम, सुफलाम मलयज-शीतलाम
शस्यश्यामलाम मातरम!
वन्दे मातरम!
शुभ्र ज्योत्स्ना पुलकितयामिनीम
फुल्लकुसुमित द्रुमदल शोभिनीम
सुहासिनीम सुमधुरभाषिणीम
सुखदाम, वरदाम, मातरम!
वन्दे मातरम ! वन्दे मातरम !

ब्रिटिश शासन के दौरान देशवासियों के दिलों में गुलामी के खिलाफ आग भड़काने वाले सिर्फ दो शब्द थे- 'वंदे मातरम'। आइए बताते हैं इस क्रांतिकारी, राष्ट्रभक्ति के अजर-अमर गीत के जन्म की कहानी -

बंगाल के महान साहित्यकार श्री बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के ख्यात उपन्यास 'आनंदमठ' में वंदे मातरम का समावेश किया गया था। लेकिन इस गीत का जन्म 'आनंदमठ' उपन्यास लिखने के पहले ही हो चुका था। अपने देश को मातृभूमि मानने की भावना को प्रज्वलित करने वाले कई गीतों में यह गीत सबसे पहला है। 'वंदे मातरम' के दो शब्दों ने देशवासियों में देशभक्ति के प्राण फूँक दिए थे और आज भी इसी भावना से 'वंदे मातरम' गाया जाता है। हम यों भी कह सकते हैं कि देश के लिए सर्वोच्च त्याग करने की प्रेरणा देशभक्तों को इस गीत से ही मिली। पीढ़ियाँ बीत गई पर 'वंदे मातरम' का प्रभाव अब भी अक्षुण्ण है।

'आनंदमठ' उपन्यास के माध्यम से यह गीत प्रचलित हुआ। उन दिनों बंगाल में 'बंग-भंग' का आंदोलन उफान पर था। दूसरी ओर महात्मा गाँधी के असहयोग आंदोलन ने लोकभावना को जाग्रत कर दिया था। बंग भंग आंदोलन और असहयोग आंदोलन दोनों में 'वंदे मातरम' ने प्रभावी भूमिका निभाई। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के लिए यह गीत पवित्र मंत्र बन गया था।

बंकिम बाबू ने 'आनंदमठ' उपन्यास 1880 में लिखा। कलकत्ता की 'बंग दर्शन' मासिक पत्रिका में उसे क्रमशः प्रकाशित किया गया। अनुमान है कि 'आनंदमंठ' लिखने के करीब पाँच वर्ष पहले बंकिम बाबू ने 'वंदे मातरम' को लिख दिया था। गीत लिखने के बाद यह यों ही पड़ा रहा। पर 'आनंदमठ' उपन्यास प्रकाशित होने के बाद लोगों को उसका पता चला। इस संबंध में एक दिलचस्प किस्सा है। बंकिम बाबू 'बंग दर्शन' के संपादक थे। एक बार पत्रिका का साहित्य कम्पोज हो रहा था। तब कुछ साहित्य कम पड़ गया, इसलिए बंकिम बाबू के सहायक संपादक श्री रामचंद्र बंदोपाध्याय बंकिम बाबू के घर पर गए और उनकी निगाह 'वंदे मातरम' लिखे हुए कागज पर गई। कागज उठाकर श्री बंदोपाध्याय ने कहा, फिलहाल तो मैं इससे ही काम चला लेता हूँ। पर बंकिम बाबू तब गीत प्रकाशित करने को तैयार नहीं थे। यह बात 1872 से 1876 के बीच की होगी। बंकिम बाबू ने बंदोपाध्याय से कहा कि आज इस गीत का मतलब लोग समझ नहीं सकेंगे। पर एक दिन ऐसा आएगा कि यह गीत सुनकर सम्पूर्ण देश निद्रा से जाग उठेगा। इस संबंध में एक किस्सा और भी प्रचलित है। बंकिम बाबू दोपहर को सो रहे थे। तब बंदोपाध्याय उनके घर गए। बंकिम बाबू ने उन्हें 'वंदे मातरम' पढ़ने को दिया। गीत पढ़कर बंदोपाध्याय ने कहा, 'गीत तो अच्छा है, पर अधिक संस्कृतनिष्ठ होने के कारण लोगों की जुबान पर आसानी से चढ़ नहीं सकेगा।' सुनकर बंकिम बाबू हँस दिए। वे बोले, 'यह गीत सदियों तक गाया जाता रहेगा।' 1876 के बाद बंकिम बाबू ने बंग दर्शन की संपादकी छोड़ दी।

875 में बंकिम बाबू ने एक उपन्यास 'कमलाकांतेर दफ्तर' प्रकाशित किया। इस उपन्यास में 'आभार दुर्गोत्सव' नामक एक कविता है। 'आनंदमठ' में संत-गणों को संकल्प करते हुए बताया गया है। उसकी ही आवृत्ति 'कमलाकांतेर दफ्तर' के कमलकांत की भूमिका निभाने वाले चरित्र के व्यवहार में दिखाई देती है। धीर-गंभीर देशप्रेम और मातृभूमि की माता के रूप में कल्पना करते हुए बंकिम बाबू गंभीर हो गए और अचानक उनके मुँह से 'वंदे मातरम' शब्द निकले। यही इस अमर गीत की कथा है। 1896 में कलकत्ता में काँग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन हुआ। उस अधिवेशन की शुरुआत इसी गीत से हुई और गायक कौन थे पता है आपको? गायक और कोई नहीं, महान साहित्यकार स्वयं गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर थे। कितना भाग्यशाली गीत है यह, जिसे सबसे पहले गुरुदेव टैगोर ने गाया। यह भी माना जाता है कि बंकिम बाबू एक कीर्तनकार द्वारा गाए गए एक कीर्तन गीत 'एसो एसो बंधु माघ आँचरे बसो' को सुनकर बेहद प्रभावित हुए। गीत सुनकर गुलामी की पीड़ा का उन्होंने तीव्र रूप से अनुभव किया। इस एक गीत ने भारतीय युवकों को एक नई दिशा-प्रेरणा दी, स्वतंत्रता संग्राम का महान उद्देश्य दिया। मातृभूमि को सुजलाम-सुफलाम बनाने के लिए प्रेरित किया। 'वंदे मातरम' इन दो शब्दों ने देश को आत्मसम्मान दिया और देशप्रेम की सीख दी। हजारों वर्षों से सुप्त पड़ा यह देश इस एक गीत से निद्रा से जाग उठा। तो ऐसी दिलचस्प कहानी है वंदे मातरम गीत की।

संविधान की खास बातें

संविधान सभा की प्रथम बैठक सोमवार 9 दिसंबर 1946 को प्रातः 11 बजे शुरू हुई। इसमें 210 सदस्य उपस्थित थे। 11 दिसंबर 1946 को संविधान सभा की बैठक में डॉ. राजेंद्रप्रसाद को स्थायी अध्यक्ष चुना गया, जो अंत तक इस पद पर बने रहे। 13 दिसंबर 1946 को पंडित जवाहरलाल नेहरू ने संविधान का उद्देश्य प्रस्ताव सभा में प्रस्तुत किया, जो 22 जनवरी 1947 को पारित किया गया। इसकी मुख्य बातें इस प्रकार हैं-

- भारत एक पूर्ण संप्रभुता संपन्न गणराज्य होगा, जो स्वयं अपना संविधान बनाएगा।
- भारत संघ में ऐसे सभी क्षेत्र शामिल होंगे, जो इस समय ब्रिटिश भारत में हैं या देशी रियासतों में हैं या इन दोनों से बाहर, ऐसे क्षेत्र हैं, जो प्रभुतासंपन्न भारत संघ में शामिल होना चाहते हैं।
- भारतीय संघ तथा उसकी इकाइयों में समस्त राजशक्ति का मूल स्रोत स्वयं जनता होगी।
- भारत के नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, पद, अवसर और कानूनों की समानता, विचार, भाषण, विश्वास, व्यवसाय, संघ निर्माण और कार्य की स्वतंत्रता, कानून तथा सार्वजनिक नैतिकता के अधीन प्राप्त होगी।
- अल्पसंख्यक वर्ग, पिछड़ी जातियों और कबायली जातियों के हितों की रक्षा की समुचित व्यवस्था की जाएगी।
- अवशिष्ट शक्तियां इकाइयों के पास रहेंगी।
- 26 जनवरी 1950 को भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ.राजेन्द्र प्रसाद ने 21 तोपों की सलामी के बाद भारतीय राष्ट्रीय ध्वज को फहराकर भारतीय गणतंत्र के ऐतिहासिक जन्म की घोषणा की थी। अंग्रेजों के शासनकाल से छुटकारा पाने के 894 दिन बाद हमारा देश स्वतंत्र राज्य बना। तब से आज तक हर वर्ष समूचे राष्ट्र में गणतंत्र दिवस गर्व और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है।

देशभक्ति व करियर दोनों हैं अहम

26 जनवरी को पूरा देश 'गणतंत्र दिवस' मनाएगा। यह जश्न है एकता, समानता और स्वतंत्रता का। उन शहीदों को इस पर्व के माध्यम से नमन करने का जिनकी वजह से हमें खुलकर जीने की आजादी मिली। साथ ही सलाम उन जवानों को जो सीमा पर जागते हैं ताकि हम चैन की नींद सो सकें। यह जज्बा धीरे-धीरे कम होता जा रहा है। इसका कारण युवाओं की लाइफस्टाइल में आया बदलाव भी है। ग्लोबलाइजेशन के इस दौर में आज का युवा देशभक्ति से ज्यादा पैसे की ओर रुख कर रहा है। युवा देश के लिए बहुत कुछ करना चाहते हैं, इसलिए उनकी एक राय यह भी है कि आर्मी के अलावा भी किसी फील्ड में रहते हुए देश के विकास में अहम योगदान दे सकते हैं, बशर्ते कि वे अपने फील्ड में ईमानदारी से काम करें।

देशभक्ति पर करियर भारी

यश जोशी कहते हैं कि इंडियन आर्मी यानी बेहतर करियर, अनुशासन के साथ सम्मान की जिंदगी। लेकिन आज प्रोफेशनल कोर्सेस के आने के बाद स्टूडेंट को लगता है कि आर्मी में करियर बनाना आसान नहीं है, क्योंकि टफ ट्रेनिंग और घर से दूर जाना उन्हें कम ही रास आता है। वे देशभक्ति की जगह मोटी कमाई को तवज्जो दे रहे हैं। जिन युवाओं में आर्मी के जुनून और देश के लिए कुछ करने का जज्बा होता है जब वे घरवालों से यह बात कहते हैं तो उनके घरवाले चाहते हैं कि वे आर्मी की बजाय दूसरे फील्ड में करियर बनाएँ।

ईमानदारी से कार्य करने की है जरूरत

एमएससी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की स्टूडेंट राधिका राघव कहती हैं- आजकल युवा सेना में नहीं जाना चाहते हैं हालाँकि देशभक्ति का यह पैमाना कतई नहीं है कि हर व्यक्ति सेना में जाए। देश की सेवा किसी भी रूप में हो सकती है जिसके लिए हमें अपनी फील्ड में ईमानदारी से कार्य करने की जरूरत है। युवा के लिए वास्तव में नाम व पैसे के साथ-साथ समाज व देश के प्रति कुछ कर पा लेने की संतुष्टि और गर्व होना भी जरूरी है।

आज भी है जुनून

आईआईपीएस के स्टूडेंट शुभम शर्मा कहते हैं कि युवाओं में एक बात यह है कि वे खुद की मर्जी के मालिक कुछ ज्यादा ही होते हैं। इसका कारण हमारी लाइफ स्टाइल में आया बदलाव भी है। आज करना है तो बस करना है कि तर्ज पर जिंदगी जीने वाले युवा कहीं भी फोकस नहीं कर पाते या फिर असमंजस की स्थिति में पड़ जाते हैं इसलिए वे जीवन में देशभक्ति व करियर में से किसी एक का चुनाव नहीं कर पाते हैं। वहीं दूसरी ओर आज भी युवा तिरंगे को देखकर रोमांचित होता है। जन-गण-मन सुनकर एक बार सावधान की मुद्रा में खड़ा होने को तैयार रहता है। लेकिन उसे लगता है कि साथ देने वाला कोई नहीं है तो मन मारकर वह देशभक्ति करने से रह जाता है।

करियर भी देशसेवा भी

ईएमआरसी की स्टूडेंट कृणिका सक्सेना कहती हैं कि आज भगतसिंह पैदा नहीं हो सकते लेकिन व्हाइट कॉलर लोगों के भरोसे भी यह देश नहीं चलना है। करियर बनाने के बाद भी हर युवा को देश की सेवा व देश में रहना कम पसंद आता है। इसके लिए युवा जिम्मेदार नहीं हैं। इसका कारण भ्रष्टाचार भी है। लेकिन कई युवा इस दौर में भी अपनी पसंद के करियर के साथ भी देशसेवा कर रहे हैं। वे जता रहे हैं कि देशसेवा भी उनके लिए महत्वपूर्ण है।